INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-83 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 20 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बेलनगंज बाजार में अचानक आग में धधकी दो कारें, हड़कम्प

यूनिक समय, आगरा। शहर के व्यस्त बेलनगंज बाजार में बुधवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब सड़क किनारे खड़ी दो गाड़ियों में अचानक आग लग गई। घटना थाना छत्ता क्षेत्र के सूरजभान फाटक इलाके की है, जहां कुछ ही मिनटों में दोनों वाहन धू–धू कर जलने लगे। आग की ऊंची लपटें और काला धुआं उठता देख बाजार में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शुरुआत में एक वाहन से धुआं निकलता दिखाई दिया, लेकिन देखते ही देखते आग ने पास खड़ी दूसरी गाड़ी को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने लगी तो आसपास के दुकानदार अपनी दुकानों से बाहर निकल आए और लोगों ने वहां खड़े अन्य वाहनों को हटाना शुरू कर दिया। बाजार क्षेत्र होने के कारण मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। कुछ लोग पाइप और मोटर के जरिए पानी डालने लगे, जबकि कई लोग बाल्टियों से पानी भर–भरकर आग पर फेंकते रहे। लोगों की तत्परता और साहस के कारण आग आसपास की दुकानों और अन्य वाहनों तक नहीं फैल सकी।

सूचना पर थाना छत्ता पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर लोगों को सुरक्षित दूरी पर किया

आग की लपटों से फैली दहशत

लोगों की सूझबूझ से टला हादसा

और बाजार में यातायात को नियंत्रित कराया। बाद में फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची और पूरी तरह आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक दोनों वाहन काफी हद तक जल चुके थे।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी माना जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते लोगों ने प्रयास नहीं किया होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में देरी महंगी पड़ेगी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/ लखनऊ। योगी सरकार ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम–1969 में संशोधन करते हुए देर से पंजीकरण कराने वालों पर विलंब शुल्क को दस गुना तक बढ़ा दिया है। अब लोगों को समय पर जन्म या मृत्यु का पंजीकरण न कराने पर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा राशि चुकानी पड़ेगी।

नए संशोधन के अनुसार 21 से 30 दिन के अंदर पंजीकरण कराने पर पहले दो रुपये विलंब शुल्क था, जो अब 20 रुपये हो गया है। इसी तरह 30 दिन से 1 साल के अंदर पंजीकरण पर पहले 5 रुपये लगते थे, अब 50 रुपये देने होंगे। 1 साल बाद पंजीकरण कराने पर पहले 10 रुपये शुल्क था, जो अब 100 रुपये कर दिया गया है।

सरकार का मानना है कि यह संशोधन जन्म और मृत्यु पंजीकरण को समयबद्ध और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिकारियों के अनुसार, पहले बहुत कम शुल्क होने के कारण लोग पंजीकरण को टाल देते थे, जिससे आंकड़ों में गड़बड़ी होती थी और सरकारी योजनाओं और दस्तावेजी प्रमाणों में दिक्कतें आती

योगी सरकार ने पुराने नियम में संशोधन किया

थीं। नए नियमों से उम्मीद है कि माता–पिता अब बच्चे के जन्म के 21 दिनों के अंदर ही पंजीकरण करा लेंगे, ताकि उन्हें अतिरिक्त शुल्क न देना पड़े। इसी प्रकार मृत्यु प्रमाण–पत्र भी समय पर जारी होने से परिवारों को संपत्ति, बीमा और अन्य कानूनी कार्यों में आसानी होगी।

यह संशोधन पूरे प्रदेश में लागू होगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जल्द ही इसके संबंध में विस्तृत अधिसूचना जारी करने वाले हैं। सरकार के इस फैसले से आम नागरिकों पर कुछ अतिरिक्त बोझ तो पड़ेगा। लेकिन लंबे समय में बेहतर रिकॉर्ड रखरखाव और सुव्यवस्थित प्रशासनिक प्रक्रिया सुनिश्चित होगी।

मथुरा से अयोध्या के लिए जल्द दौड़ेगी वंदे भारत ट्रेन

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी मथुरा से भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जल्द बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। मिली जानकारी के अनुसार मथुरा से अयोध्या के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की संभावना है। वंदे भारत ट्रेन शुरू होने के बाद मथुरा से अयोध्या की यात्रा पहले से ज्यादा आसान, तेज और आरामदायक हो जाएगी। अभी तक

कान्हा नगरी और रामनगरी के बीच सफर होगा आसान

यात्रियों को लंबा सफर करना पड़ता है, लेकिन नई ट्रेन सेवा शुरू होने से समय की बचत होगी और श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा। धार्मिक आयोजनों, त्योहारों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा और अयोध्या दर्शन के लिए जाते हैं। ऐसे में यह ट्रेन दोनों धार्मिक नगरियों को जोड़ने का बड़ा माध्यम बनेगी।

वृंदावन में पेड़ा–मिठाई की दुकानों पर खाद्य विभाग का शिकंजा

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम मास के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य पदार्थ दिलाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार अभियान चला रहा है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह ने श्री बांके बिहारी मंदिर के निकट विद्यापीठ चौराहा स्थित पेड़ा और मिठाई की दुकानों पर छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों पर बिना रेट लिस्ट के मिठाइयों की बिक्री होती मिली। साथ ही पेड़ा और अन्य मिठाइयों को खुले और अस्वच्छ माहौल में रखा गया था। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ दुकानदार दूषित प्लास्टिक के बोरों में पेड़ा

बांके बिहारी मंदिर के पास छापेमारी, 200 किलो पेड़ा नष्ट कराया

भंडारित कर रहे थे। खाद्य सुरक्षा टीम ने करीब 200 किलोग्राम पेड़ा मौके पर ही नष्ट कराया। निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं पर विभाग ने विद्यापीठ चौराहा स्थित सोनू काजलवाला, राकेश शर्मा, ओमप्रकाश बघेल, विष्णु बघेल, प्रियभल्लभ और हरिशंकर सैनी के खाद्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की।

पहल

उज्जैन में खुलेगा अनोखा कचरा कैफे मॉडल

कचरे के बदले मिलेगा भोजन और सामान

यूनिक समय, उज्जैन। उज्जैन में नगर निगम एक अनोखी पहल शुरू करने जा रहा है, जिसमें कचरे को उपयोगी वस्तुओं में बदला जाएगा। नानाखेड़ा बस स्टैंड परिसर में लगभग 2500 वर्गफीट क्षेत्र में "कचरा कैफे" स्थापित किया जाएगा। यहां लोग अपने घर का सूखा कचरा जमा करेंगे और उसके बदले में उन्हें भोजन, नाश्ता या रोजमर्रा की जरूरत का सामान दिया जाएगा।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य शहर को स्वच्छ बनाना ही नहीं, बल्कि लोगों में कचरे को अलग–अलग करने की आदत विकसित करना भी है। इससे रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया बेहतर होगी और शहर में स्वच्छता के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

यह पहल केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी। योजना के तहत शहर के तीन प्रमुख स्थानों पर शुरुआत की जाएगी। नगर निगम के अनुसार इस व्यवस्था से कचरे की आर्थिक कीमत को समझने में मदद मिलेगी और लोग इसे बोझ नहीं बल्कि संसाधन के रूप में देखने लगेंगे।

कचरा कैफे का संचालन स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से किया जाएगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह पूरी व्यवस्था रॉयल्टी

स्वच्छता के साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

मॉडल पर आधारित होगी, जिसमें नगर निगम कोई सीधा भुगतान नहीं करेगा।

चयनित संस्था को तीन माह की अग्रिम रॉयल्टी और 50 हजार रुपये की सुरक्षा राशि जमा करनी होगी। साथ ही कचरे का पूरा रिकॉर्ड रखना अनिवार्य होगा। नगर निगम ने इसके लिए स्थान तय कर लिया है और जल्द ही निविदा प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो शहर के अन्य हिस्सों में भी ऐसे कचरा कैफे खोले जाएंगे, जिससे उज्जैन स्वच्छता और नवाचार का एक उदाहरण बन सकेगा।

GLA UNIVERSITY
Accredited with A+ Grade by NAAC
Mathura | Greater Noida
28 Years Educational Excellence
ADMISSION OPEN 2026-27
COURSES OFFERED
B.Tech.
Computer Science & Engineering
AIML
AI and Analytics in collaboration with intel. NEC
Electronics | Electrical | Mechanical
Civil | Biotechnology
MULTI-DISCIPLINARY EDUCATION
Engineering | Management | Commerce | Economics | Agriculture | Law | Biotechnology | Pharmacy | Education | Science & Humanities
SCHOLARSHIPS UPTO 90% FOR JEE MAIN ACHIEVERS
SCAN FOR REGISTRATION
Mathura Campus: 17km Stone, NH-44, Mathura -Delhi Road, P.O. Chaumuhan, Mathura-281406 (U.P.) India
Gr. Noida Campus: 15 A, Knowledge Park - II, Greater Noida - 201310 (U.P.) INDIA
EMPOWER YOUR GROWTH WITH GLA ONLINE | Find details at: online.gla.ac.in
+91-9027068068 Visit us: www.gla.ac.in

लू के थपेड़ों से झुलसा ब्रज, कल रहेगा 47 डिग्री का खतरा

गर्मी से एसी–कूलर भी बेअसर

धूप से बचने के लिए सिर पर पल्लू करके बाइक पर बैठी महिला।

धूप से बचने के लिए छाता लगाकर वाहन का इंतजार करती महिला।

रेड अलर्ट जारी, दिन में बाहर निकलना मुश्किल

आज भी 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तापमान

यूनिक समय, मथुरा। लू के थपेड़ों ने सूरज की लपटों को हवा दी तो लोग गर्मी से अकुला गए। अधिकतम तापमान भी 45 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा।

ऐसे में एसी और कूलर फेल हो गए। अब मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, अधिकतम तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचे की संभावना जताई है। इस दिन लू चलने के साथ गर्म रात होने की बात कही है।

सुबह नौ बजे से ही आसमान से सूरज ने आग बरसाना शुरू कर दिया। दोपहर होते–होते सड़कें तपने लगीं और पूरे दिन लू के थपेड़ों ने गर्मी को और भड़काने का काम किया। दोपहर में गर्मी की वजह से घरों में लगे एसी और कूलर भी राहत देने में नाकाम रहे। वोल्टेज के उतार–चढ़ाव और ट्रिपिंग के चलत कई इलाकों में घंटों बिजली गुल रही। कूलर गर्म हवा फेंकते रहे और एसी ट्रिप होकर बंद होते रहे। तेज गर्मी के कारण लोगों के मोबाइल भी हैंग होने लगे, स्क्रीन पर हीट वार्निंग दिखाई देने लगी।

यही नहीं, मोबाइल का कोई भी फंक्शन काम नहीं कर रहा था। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। जरूरी काम से निकले लोगों को सिर ढकना, छाता लगाना और पानी की बोतल साथ रखना मजबूरी बन गया।अस्पतालों में लू और डिहाइड्रेशन के मरीज बढ़ गए। रात को न्यूनतम पारा 31 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र कुमार ने कहा कि अगले 24 घंटे तक लू का रेड अलर्ट जारी किया गया है। सुबह 11 से शाम 4 बजे तक जरूरी न हो तो लोग बाहर न निकले। वैसे, लू का यलो अलर्ट 26 मई तक के लिए भी है।

फरह में ट्रांसफार्मर बचाने को लगे कूलर

यूनिक समय, फरह। गर्मी से ट्रांसफार्मरों को बचाने के लिए कूलर लगाए गए हैं। ज्यादा लोड और तेज गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर अत्यधिक गर्म हो रहे हैं, जिससे उनके फुंकने का खतरा बढ़ गया है। ऐसे में कूलर उनको राहत दे रहे हैं। उप खंड अधिकारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि बढ़ती गर्मी की वजह से ट्रांसफार्मरों को बचाने के लिए यह व्यवस्था की गई। इससे ट्रांसफार्मर गर्म नहीं होंगे।

भीषण गर्मी के चलते आज से स्कूल बंद

समर कैंप और सभी गतिविधियों पर रोक आदेश न मानने पर होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने आदेश जारी किया है। अब आज से ग्रीष्मकालीन अवकाश तक सभी गैर सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त विद्यालय पूरी तरह बंद रहेंगे। इस दौरान किसी भी स्कूल में समर कैंप, विशेष कक्षाएं, खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम या अन्य छात्र गतिविधियां नहीं कराई जाएंगी। बीएसए ने कहा कि तेज गर्मी और लू बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। निर्देश दिए गए हैं कि बच्चों को स्कूल बुलाने का किसी भी प्रकार का दबाव न बनाया जाए। स्कूल में केवल कार्यालय का सीमित कार्य ही किया जा सकेगा, कोई विद्यालय आदेशों का उल्लंघन करते हुए समर कैंप या अन्य गतिविधियां चलाता पाया गया, तो संबंधित विद्यालय प्रबंधन और प्रधानाचार्य के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बिजली के खंभे में आग अफसरों के फोन बंद

औरंगाबाद कॉलोनी में देर रात मचा हड़कंप

लोगों ने खुद बुझाई आग, बढ़ा गुस्सा

गर्मी में बिजली विभाग की लापरवाही से बढ़ सकते है हादसे

यूनिक समय, मथुरा। जिले में भीषण गर्मी के बीच बिजली व्यवस्था को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। सरकार की ओर से 25 मई तक गर्मी संकट को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन इसके बावजूद बिजली विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि अधिकारी फोन तक नहीं उठाते, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

फोन नहीं उठाने से जुड़ा ऐसा ही एक मामला औरंगाबाद क्षेत्र की एक कॉलोनी का है, जहां देर रात अचानक बिजली के खंभे और तारों में आग लग गई। करीब 15 मिनट तक खंभे से चिंगारियां निकलती रहीं, कॉलोनी में अफरा–तफरी मच गई। आसपास रहने वाले लोग दहशत में घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी तेज थी कि किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था। कॉलोनी के लोगों ने घर में रखे ऑक्सीजन सिलेंडर से आग पर काबू पाने की कोशिश की। मिट्टी, पानी और अन्य संसाधनों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना के दौरान लोगों ने संबंधित एसडीओ को कई बार फोन किया, आरोप है कि उन्होंने फोन नहीं उठाया। लोगों का कहना है कि शिकायत के समय अधिकारियों का रवैया बेहद लापरवाह रहता है। लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में ट्रांसफॉर्मर, बिजली के तार और खंभों में लगातार खराबी की घटनाएं बढ़ रही हैं।

मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने बताया कि कि नौतपा और भीषण गर्मी को देखते हुए सभी अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी उपभोक्ताओं के फोन रिसीव करें और शिकायतों का तत्काल समाधान करें। मुख्य अभियंता ने कहा कि यदि किसी अधिकारी द्वारा फोन न उठाने या लापरवाही बरतने की शिकायत सही पाई जाती है तो उसकी जांच कराकर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

तापमान / मौसम

45 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

31 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरट 1,59,000

22 कैरट 1,46,000

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,60,000 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

हाइवे पर कंटेनर का कहर

फुटपाथ पर चाय पीते चार लोगों को रौंदा, दो की मौत

हादसे के बाद सड़क पर बिखरा सामान और कंटेनर।

चालक पकड़ा, दो का चल रहा है इलाज

दुर्घटना के बाद इलाके में मची अफरा तफरी

यूनिक समय मथुरा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर देर रात थाना गोविंदनगर क्षेत्र में अनियंत्रित कंटेनर ने फुटपाथ पर खड़े होकर चाय पीते चार लोगों को रौंद दिया। शोर सुनकर आस–पास के लोगों ने घायलों को हटाया और दुर्घटना कर भागते चालक को पकड़ लिया। पुलिस के पहुंचने तक दो घायलों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने गंभीर दो घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। शहर में अधिकांश लोग घरों में गहरी नींद में सो रहे थे, उस समय मध्य रात्रि के बाद हाइवे पर गोकुल रेस्टोरेंट के समीप कुछ लोग फुटपाथ पर चाय पी रहे थे। बताया गया कि इसी दौरान दिल्ली की ओर से तेज गति आ रहा एक कंटेनर अनियंत्रित होकर चाय पीते चार लोगों को रौंदता हुआ फुटपाथ पर चढ़ गया। हादसा होते ही चालक कंटेनर को छोड़ कर भागने लगा। दुर्घटना के दौरान चीख-पुकार सुनकर आस–पास के लोग घरों से निकल आए। स्थानीय लोगों ने भागते चालक को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। दुर्घटना का पता लगने पर पुलिस भी पहुंच गई। थाना प्रभारी निरीक्षक रवि त्यागी ने बताया कि दुर्घटना में घायल गांव चंदोरी कोतवाली छाता निवासी ललित पुत्र जगदीश, गांव नरी कोतवाली छाता निवासी तेजपाल पुत्र बासुदेव और विकास पुत्र महेंद्र निवासी गगनपुर एटा और इरफान पुत्र इसहाक निवासी सराय आजमाबाद थाना हाइवे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने ललित और इरफान को मृत घोषित कर दिया। दोनों के शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दोनों घायलों का इलाज चल रहा है। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए हाइवे पर वाहनों का आवागमन रुक गया था। कंटेनर को हटवाने के बाद मार्ग आवागमन के लिए सुचारू करा दिया गया था।

मृतक ललित

घर पहुंचने से पहले ललित को मौत ने दबोचा

यूनिक समय, मथुरा। मौत कहां होगी? कैसे होगी? इसे कोई नहीं जानता। यूपी पुलिस की तैयारी करने वाले ललित को क्या मालूम था कि वह प्रयागराज से घर जाने के लिए निकला है, लेकिन पहुंचेगा भी या नहीं। परिवार के लोगों ने बताया कि ललित इलाहाबाद से बस से आया था। उसका दोस्त विकास उसे लेने के लिए आया था। बाइपास पर बस से उतर कर दोनो चौधरी कैंटीन के पास चाय पी रहे थ, तभी कंटेनर रूपी मौत के पंजे ने उसकी जिंदगी छीन ली। ललित की दो जुलाई को गांव खोरी विल्सन, डीग से शादी होने वाली थी। उसके साथ ही दोस्त विकास भी बुरी तरह से घायल है। परिवार के लोगों को जब उसकी मौत का पता लगा तो वहां कोहराम मच गया। रात में ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए। विकास का इलाज चल रहा है।

सब्जी विक्रेता युवक ने किया हाइवोल्टेज ड्रामा

मोबाइल टावर पर चढ़कर युवती से शादी का बनाया दबाव

तीन घंटे के बाद खत्म हुआ परिवार के समझाने पर ड्रामा

यूनिक समय, मथुरा। ग्वालियर की युवती ने शादी से किया इंकार तो आशिक सब्जी बेचने वाले युवक ने जयसिंहपुरा इलाके में मोबाइल टावर पर चढ़ कर करीब तीन घंटे तक हाईवोल्टेज ड्रामा किया। युवक को टावर पर चढ़ा देखकर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लगी रही। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंच गई। परिवार के समझाने पर युवक टावर से नीचे उतरा।

जयसिंहपुरा इलाके केएक मोबाइल टावर पर आज दोपहर करीब 12 बजे एक युवक को चढ़ा देख वहां लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। थाना प्रभारी गोविंदनगर रवि त्यागी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने युवक को समझा कर टावर से नीचे उतारने का प्रयास किया। पुलिस के प्रयास पर युवक बार–बार टावर से नीचे कूदने की धमकी दे रहा था। युवक का कहना था कि वह उसी युवती से शादी करेगा। बताया गया कि युवती ने उससे शादी करने से इंकार कर दिया था। इसे लेकर वह दुखी था। पुलिस ने फायर ब्रिगेड को भी इस बारे में सूचना देकर बुला लिया। पुलिस और लोग टावर पर चढ़े युवक को नीचे उतारने का प्रयास करते रहे। टावर की ऊंचाई अधिक होने के कारण दोनों तरफ की आवाज एक दूसरे को सुनाई देने में भारी दिक्कत हो रही थी। काफी देर बाद थाना प्रभारी ने युवक के परिवारीजनों को वहां बुलवाया। परिवार के लोगों ने युवक को फोन कर काफी समझाने की कोशिश की। करीब तीन बजे युवक को जब इस बात का भरोसा हो गया कि परिवार के लोग युवती से उसकी शादी करा देंगे। तब वह कहीं जाकर माना और टावर से नीचे उतरा। युवक को पुलिस अपने साथ ले गई। बताया गया कि युवक चक्रतीर्थ घाट का रहने वाला है और सब्जी बेचने का काम करता है।

महिला को जिंदा जलाने के मामले में महिला सहित दो गिरफ्तार

पैसे के लेन–देन के लिए घर बुलाकर लगाई थी आग

यूनिक समय मथुरा। थाना यमुनापार के लक्ष्मीनगर सोनई टप्पा इलाके में पैसे के लेन–देन के विवाद में एक महिला को ज्वलनीशल पदार्थ डालकर जिंदा जलाने के मामले में पुलिस ने एक महिला और एक अन्य को गिरफ्तार किया है।

थाना यमुनापार के सौनई टप्पा इलाके में 13 मई को महिला आशा को पैसे के लेन–देन के मामले में घर बुलाकर महिला ने जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली- गलौच करते हुए ज्वलनीशल पदार्थ डालकर जिंदा जलाने के लिए आग लगा दी थी। आशा को गंभीर हालत में इलाज के लिए आगरा भेज दिया गया था। मामले में थाना यमुनापार में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

पुलिस ने आज सोनई टप्पा निवासी कन्हैया उर्फ कृष्ण गोपाल को जयपुर बरेली हाइवे के सिहोरा कट के समीप से गिरफ्तार किया है, जबकि आरोपित को रावल मोड से गिरफ्तार किया है। इस मामले में दूसरे अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगाई गई है।

युवक से हमलावरों ने की मारपीट झगड़े में मोबाइल तोड़ा

यूनिक समय, मथुरा। थाना यमुनापार के गांव गोपालपुर केएक युवक ने कुछ लोगों द्वारा अपने साथ मारपीट करने और 500 रुपये छीन ले जाने का आरोप लगाते हुए एसएसपी से कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। गोपालपुर निवासी आकाश पुत्र बॉबी सिंह ने शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि 11 मई की रात गमी से लौटने के दौरान राहुल, शिवकुमार ने रास्ते को बंद कर रखा था। पिता के वहां से गुजरने पर रास्ता बंद होने पर इन लोगों से रास्ता खोलने को कहा गया। इस पर इन लोगों ने गाली गलौच करते हुए मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत करने पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस बात से ये लोग रंजिश मानने लगे। आरोप है कि 12 मई को सायं करीब चार बजे आकाश घर के लिए लौट रहा था। राहुल और शिवकुमार ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ गाली गलौच करते हुए मारपीट की और मोबाइल तोड़ दिया। हमलावर जेब से 500 रुपये भी निकाल ले गए। पीड़ित ने हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

चकबंदी के 20 साल के बाद भी किसानों को नहीं मिला दखल

नए नक्शा के अनुसार दखल नहीं मिलने पर विवाद के हालात

डीएम से शिकायत संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई की मांग

यूनिक समय, मथुरा। चकबंदी के 20 साल बाद भी ग्रामीणों को दखल नहीं मिल सका है। नए नक्शा के अनुसार दखल दिलाए जाने की मांग की को लेकर गांव छरोरा के ग्रामीण रालोद नेता कुंवर नरेंद्र सिंह के साथ डीएम से मिले। चकबंदी और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर नए नक्शे के अनुसार जमीन पर दखल दिलाए जाने की मांग रखी।

बुधवार को डीएम कार्यालय आए तहसील मथुरा के गांव छरोरा के निवासी लटूर, गबलू, कलुआ सिंह आदि ने बताया कि वह खसरा नंबर 369, 368, 367,355, 354, 353 आदि के काश्तकार हैं। उनके गांव में करीब 20 वर्ष पूर्व चकबंदी ?हो गई, आज तक चकबंदी विभाग ने किसानों को चकबंदी के नए नक्शे के अनुसार दखल नहीं दिलाया है। इस वजह के गांव के किसानों के बीच आपस में विवाद की स्थिति बनी हुई है।

किसानों का कहना है कि चकबंदी होने के बाद नए नक्शा के अनुसार किसानों को तत्काल दखल दिलाया जाना चाहिए था, लेकिन अधिकारियों ने ऐसा नहीं किया। किसानों का कहना था कि प्रशासन को किसानों के बीच पैदा विवाद को दूर करने के लिए राजस्व ओर चकबंदी विभाग की संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई करानी चाहिए, जिससे किसानों के बीच पैदा टकराव को टाला सके।

हत्या, लूट और बदसलूकी पर अभियुक्त को उम्र कैद

कोर्ट ने एक लाख तीस हजार का अर्थदंड भी लगाया

वेन में झांसा देकर बैठाकर घटना को दिया था अंजाम

यूनिक समय,मथुरा। न्यायालय अपर सत्र न्यायधीश त्वरित न्यायालय (महिला विरुद्ध अपराध) प्रथम विजय कुमार सिंह ने झांसा देकर मारुति वेन में एक युवक और उसकी बहन आदि को बिठाने के बाद युवक की हत्या करने बहन से जेवरात लूटने और दुराचार करने के आरोपी वेन चालक को आजीवन कारावास और एक लाख तीस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक शासकीय अधिवक्ता सुभाष चतुर्वेदी ने बताया कि 4 मई 2017 को चंद्रभान सिंह ने थाना गोवर्धन में रिपोर्ट दर्ज करवाई की। कहा कि उसका भतीजा चद्रशेखर 3 मई को अपनी बहन को चौंदरी से डीग के लिए जा रहा था। कोसी में टैक्सी स्टैंड से मारुति वेन चालक ने भतीजे, उसकी बहन और तीन बच्चों को झांसा देकर डीग जाने के लिए बिठा लिया। वेन चालक उन्हें लेकर कामां पहुंच गया। पिता राजू से फोन पर बात होने पर चंद्रशेखर ने बताया कि वह कामां आ गया है। कामां पहुंचकर मारुति वेन के चालक ने कहा कि आगे आरटीओ है, इसलिए गोवर्धन होकर डीग जाऊंगा। चालक इन सभी को लेकर गोवर्धन के लिए चल दिया। फोन पर उसके जीजा से चंद्रशेखर की बात हुई तो उन्हें बताया गया कि वे गोवर्धन आ गए हैं। वेन चालक उन्हें इस तरह अन्य जगह घुमाता रहा। इसके बाद चंद्रशेखर को परिवार के लोगों ने फोन किया तो उसका फोन स्विच ऑफ बोलने लगा। इस पर सभी को किसी अनहोनी की चिंता हुई। गोवर्धन पहुंचकर इस मामले में पुलिस को सूचना दी। इसके साथ ही डीग में थाने को भी उसके जीजा ने सूचना दी। इसके बाद पूरी रात परिवार के लोग बच्चों की तलाश करते रहे। सुबह पता लगा कि जचोंदा- जुनसुटी के जंगल में एक लाश पड़ी है। वहां जाकर देखा तो लाश भतीजे चंद्रशेखर की थी। इसके साथ ही वहां बैठी बच्ची रो रहीं थी। चंद्रशेखर के सिर में गोली मारकर हत्या की गई थी। लड़की के साथ भी अभद्रता करने के बाद उसके जेवरात लूट लिए गए थे। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने अभियुक्त दिलीप निवासी ग्राम मबई थाना डीग जिला भरतपुर राजस्थान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। अभियुक्त के खिलाफ कोर्ट में आरोपपत्र प्रेषित किया। पुलिस ने अभियुक्त से हत्या में प्रयुक्त तमंचा और जेवरात भी बरामद किए थे। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायधीश त्वरित न्यायाल (महिला विरुद्ध अपराध) प्रथम विजय कुमार सिंह के कोर्ट में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त दिलीप को उक्त सजा से दंडित किया।

भारतीय क्रिकेटर कुलदीप आए बांके बिहारी की शरण में

यूनिक समय, वृंदावन। भारतीय क्रिकेटर कुलदीप यादव अपनी पत्नी के साथ ठाकुर बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ठाकुर जी के दर्शन किए। इस दौरान वे भक्ति भाव में नजर आए। जैसे ही उनके आने की खबर फैली। बड़ी संख्या में प्रशंसक उनकी एक झलक पाने के लिए मंदिर परिसर में उमड़ पड़े।

पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू ने किए मां कात्यायनी देवी के दर्शन

मां कात्यायनी देवी के दर्शन करने के बाद पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिद्धू के हाथ में कलावा बांधते सेवायत पुजारी।

यूनिक समय, वृंदावन। पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी बेटी के साथ कात्यायनी शक्तिपीठ में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने इसे पूरी तरह निजी आध्यात्मिक यात्रा बताते हुए राजनीति से दूरी बनाए रखी और कुछ दिन ब्रज में प्रवास की इच्छा जताई। सिद्धू ने ब्रजभूमि की महिमा की चर्चा की। अपने प्रवास के दौरान वे ब्रज के अन्य प्राचीन और मंदिरों के भी दर्शन-पूजन करेंगे।

चैंबर तोड़ने पर अधिवक्ता नाराज राज्यपाल से हस्तक्षेप की मांग

लखनऊ में अधिवक्ताओं के चैबर तोड़ने के विरोध में डीएम को ज्ञापन देकर आते अधिवक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। राजधानी लखनऊ में चैंबर तोड़े जाने पर मथुरा के अधिवक्ताओं ने नाराजगी जताई है। डीएम को दिए गए ज्ञापन में राज्यपाल से मामले में हस्तक्षेप करके अधिवक्ताओं के लिए वैकल्पिक स्थान की मांग की गई है।

बुधवार को आल इंडिया लायर्स एसोसिएशन फार जस्टिस की ओर से संगठन के जिलाध्यक्ष केएल वर्मा, राज्य सचिव नसीर शाह और नीरज राठौर एडवोकेट ने डीएम सीपी सिंह को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया। 16 मई को लखनऊ सिविल कोर्ट के समीप अधिवक्ताओं के बने चैंबरों को जेसीबी से तोड़ने और विरोध पर अधिवक्ताओं पर लाठी चार्ज की निंदा करते हुए अधिवक्ताओं के लिए वैकल्पिक स्थान का इंतजाम करने की मांग की गई।

संगठन के अधिवक्ताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि अधिवक्ताओं के लिए वैकल्पिक स्थान का इंतजाम नहीं होने और दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

कृषि विभाग का पोर्टल फिर खुला, शुरू हुई बुकिंग

सिटी रिपोर्टर

पहले आओ-पहले पाओ खत्म, अब ई-लाटरी से होगा चयन

वंचित किसान अब दोबारा कर सकेंगे बीज बुकिंग

यूनिक समय, मथुरा। खरीफ सीजन के लिए बीज बुकिंग से वंचित रह गए किसानों को अब दोबारा अवसर मिलेगा। कृषि विभाग का ऑनलाइन पोर्टल पुनः मंगलवार से प्रारंभ कर दिया गया है, जिससे किसान फिर से अपनी पसंद के प्रमाणित और संकर बीजों की ऑनलाइन बुकिंग कर सकेंगे।

इस बार बीज वितरण प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए विभाग ने "पहले आओ-पहले पाओ" व्यवस्था समाप्त कर दी है। अब किसानों का चयन पूरी तरह ई-लाटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिससे वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके।

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार के अनुसार, केवल वही किसान बीज बुकिंग कर सकेंगे जो विभागीय पोर्टल पर पंजीकृत हैं। किसान स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या जनसेवा केंद्र के माध्यम से भी बुकिंग करा सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह व्यवस्था सामान्य बीज वितरण के साथ-साथ मिनीकिट बीज वितरण योजना पर भी लागू होगी। पोर्टल पुनः शुरू होने से उन किसानों को राहत मिली है जो तकनीकी कारणों या जानकारी के अभाव में पहले आवेदन नहीं कर पाए थे। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से समय रहते बुकिंग सुनिश्चित करने की अपील की है, ताकि ई-लाटरी प्रक्रिया में उनका नाम शामिल हो सके। जिले के किसान अधिक जानकारी के लिए उप कृषि निदेशक कार्यालय, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय अथवा विकास खंड स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार से संपर्क कर सकते हैं।

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत अभियान को गति

भिक्षावृत्ति मुक्त भारत अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम में सांसद हेमामालिनी के साथ पदाधिकारी।

1100 व्यक्तियों को चिन्हित किया

यूनिक समय, मथुरा। भिक्षावृत्ति मुक्त भारत अभियान को गति देने के उद्देश्य से स्माइल योजना के अंतर्गत उम्मीद संस्था ने राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान (निषाद) के सहयोग से ट्रेनिंग ऑन कन्वर्जेंस टुवर्ड्स द एलिमिनेशन ऑफ बैगरी विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें सांसद हेमामालिनी ने भी भाग लिया।

संस्था ने भीख मुक्त मथुरा की दिशा में सितंबर 2025 में शुरुआत की। व्यापक सर्वेक्षण कर मथुरा में ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई, जो भिक्षावृत्ति में लिप्त थे, ताकि उन्हें इस परिस्थिति से बाहर निकालकर पुनर्वास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

चयनित क्षेत्र में किए गए सर्वेक्षण के दौरान अब तक लगभग 1100 व्यक्तियों को चिन्हित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों और विभागों से आए अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, फील्ड स्तर पर कार्यरत कर्मियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भिक्षावृत्ति जैसी जटिल सामाजिक समस्या के समाधान के लिए विभागीय समन्वय को मजबूत करना, पुनर्वास की प्रभावी रणनीतियों को साझा करना और जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन को अधिक सशक्त बनाना रहा।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बंद रहे मथुरा के मेडिकल स्टोर

यूनिक समय, मथुरा। ऑल इंडिया केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में देश व्यापी हड़ताल के दौरान मथुरा में भी मेडिकल स्टोर दोपहर तक बंद नजर आए। केमिस्टों का कहना है कि बिना विशेषज्ञ सलाह के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। साथ ही, इससे स्थानीय दवा व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। विक्रेताओं ने मांग की कि सरकार ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करे या इसे पूरी तरह बंद करे, ताकि मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और केमिस्टों के व्यापार को संरक्षण मिल सके।

मथुरा की अधूरी सड़क परियोजनाओं को मिलेगी गति

सिटी रिपोर्टर

चार सड़क परियोजनाओं को मिला 1.22 करोड़ का आवंटन

ग्रामीण संपर्क मार्गों के अधूरे कार्यों को पूरा करने पर फोकस

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जिले की ग्रामीण सड़क परियोजनाओं को गति देने के लिए लोक निर्माण विभाग की चार महत्वपूर्ण सड़कों के लिए करीब 1 करोड़ 22 लाख रुपये की अतिरिक्त धनराशि जारी की गई है। यह राशि उन परियोजनाओं के लिए जारी हुई है, जिनमें पहले से निर्माण कार्य प्रगति पर है और अब शेष कार्यों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहयोग दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, सुहागपुर से लालपुर मार्ग के नव निर्माण कार्य के लिए 30 लाख रुपये जारी किए गए हैं। इस सड़क परियोजना की कुल लागत करीब 1.56 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि अधिकांश धनराशि पूर्व में खर्च हो चुकी है। इसी तरह खंजरावास से जयसिंह नगला मार्ग निर्माण कार्य के लिए 35 लाख रुपये का नया आवंटन हुआ है। इस परियोजना की लागत करीब 1.36 करोड़ रुपये है।

वहीं मथुरा-कोलाना से जाफरपुर मार्ग के लिए 22 लाख रुपये और बिजली-सेगढ़ी बालकिशन मार्ग के लिए 35 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है। इन चारों परियोजनाओं में करोड़ों रुपये की लागत से ग्रामीण संपर्क मार्गों को विकसित किया जा रहा है। अधिकांश योजनाओं में पहले चरण की धनराशि खर्च होने के बाद अब अंतिम या शेष कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त बजट जारी किया गया है।

इससे गांवों की कनेक्टिविटी, आवागमन और स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को मजबूती मिलने की उम्मीद है। निर्देशों में स्पष्ट कहा गया है कि आवंटित धनराशि का उपयोग केवल स्वीकृत परियोजनाओं पर ही किया जाएगा, निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएंगे। साथ ही मार्च 2027 तक कार्य पूर्ण कर उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

यह आदेश उत्तर प्रदेश शासन के अनु सचिव अभिषेक गंगवार ने लोक निर्माण के लिए जारी किया गया है। जिसमें मथुरा सहित आगरा मंडल की चयनित सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने पर जोर दिया गया है।

हाईकोर्ट का स्टे, प्रधान कर रहा जबरन कब्जा

यूनिक समय, मथुरा। तहसील मांट की ग्राम पंचायत गुददरसौर के ग्रामीण ने डीएम को शिकायत की है। हाईकोर्ट के स्टे के बाद भी प्रधान पर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। डीएम ने मांट एसडीएम को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। ग्राम गुददरसौर के निवासी बच्चू सिंह ने बुधवार को प्रार्थना पत्र दिया। बताया कि जमीन से जुड़ा एक प्रकरण हाईकोर्ट में विचाराधीन है, स्टे भी लगा है। इसके बाद भी ग्राम पंचायत का प्रधान देवेन्द्र सिंह जमीन से उसको बेदखल करके कब्जा करने की फिराक में लगा है। पीड़ित ने बताया कि प्रधान विवादित भूखंड 211 और 213 से उसको जबरन बेदखल करके दीवार लगाने के प्रयास में जुटा है। डीएम ने प्रकरण में कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

बीएसए ने जारी किए छह शिक्षकों के पोस्टिंग आदेश

विशेष बच्चों की पढ़ाई संभालेंगे छह नए विशेष शिक्षक

समेकित शिक्षा के छह स्पेशल एजूकेटर हुए परमानेंट

तैनाती पत्र पाकर शिक्षकों के खिले चेहरे

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बेसिक शिक्षा विभाग ने नई तैनातियों की प्रक्रिया पूरी कर दी है। बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने आदेश जारी कर चयन प्रक्रिया और काउंसिलिंग के बाद विशेष शिक्षकों को प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए तैनाती दी है। विभागीय जानकारी के अनुसार लंबे समय से जनपद के कई विद्यालयों में विशेष शिक्षकों की कमी महसूस की जा रही थी, जिसके चलते दिव्यांग बच्चों की पढ़ाई और व्यक्तिगत शैक्षणिक सहायता प्रभावित हो रही थी। नई नियुक्तियों से अब ऐसे बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सहयोग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

नियुक्ति आदेश में स्पष्ट किया गया है कि चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वास्थ्य प्रमाण पत्र सहित संबंधित कार्यालय में योगदान देना होगा। शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि विशेष शिक्षक बच्चों की सीखने की क्षमता के अनुसार उन्हें अलग तरीके से शैक्षणिक सहायता प्रदान करते हैं। इससे न केवल पढ़ाई में सुधार होता है बल्कि बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

तैनाती पत्र पाकर मुस्कराते छह विशेष शिक्षक।

इन शिक्षकों को मिली तैनाती

अजय यादव (प्राथमिक स्तर)
उमा शंकर (प्राथमिक स्तर)
मंजू पाण्डेय (प्राथमिक स्तर)
धर्मेन्द्र कुमार त्रिवेदी (उच्च प्राथमिक स्तर)
राघव दास (उच्च प्राथमिक स्तर)
सविता शर्मा (उच्च प्राथमिक स्तर)

बीएसए कॉलेज के तीन छात्रों को मिला करियर मौका

चयनित छात्र–छात्राओं को सम्मानित करते हुए चेयरमैन उमाशंकर अग्रवाल एवं अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में भारत की अग्रणी मोबाइल टावर इंस्टॉलेशन कंपनी इंडस टावर्स लिमिटेड ने तीन होनहार छात्र–छात्राओं का चयन किया है। चयनित छात्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के अनुज बंसल और कुशाग्र सिंह तथा इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा नीतू कुमारी शामिल हैं। संस्थान के चेयरमैन उमाशंकर अग्रवाल ने कहा कि यह संस्थान और दोनों विभागों के लिए गर्व का क्षण है। छात्र–छात्राओं की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें देश की सबसे बड़ी मोबाइल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में करियर शुरू करने का अवसर दिलाया है। वाइस चेयरमैन नितिन मित्तल तथा निदेशक श्याम सुन्दर अग्रवाल ने चयनित छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर फरहान अजीज, शिवम अग्रवाल सहित कॉलेज के शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे।

मथुरा में कल 13 केंद्रों पर होगी लेखपाल परीक्षा

5640 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, प्रशासन ने कसी कमर

हर केंद्र पर रहेगी ओआरएस घोल की व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की लेखपाल मुख्य परीक्षा को लेकर प्रशासन ने गर्मी को देखते हुए व्यापक इंतजाम किए हैं। कल सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होने वाली परीक्षा के लिए बनाए 13 केंद्रों पर ओआएस घोल का इंतजाम रहेगा, जबकि आपात स्थिति के लिए एंबुलेंस भी रहेगी। ग परीक्षा में 5640 अभ्यर्थी शामिल होंगे।

एडीएम प्रशासन डा. अमरेश कुमार ने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। परीक्षा के दौरान गर्मी को देखते हुए सभी केंद्रों पर ओआरएस घोल का इंतजाम रहेगा, जबकि तीन केंद्रों के मध्य एंबुलेंस की भी व्यवस्था रहेगी। कलेक्ट्रेट में सुबह 6 बजे से कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा, जहां से पूरे परीक्षा तंत्र की निगरानी वहीं से होगी। परीक्षा के दौरान केंद्रों के आसपास फोटो स्टेट और साइबर कैफे दोपहर 1 बजे तक बंद रहेंगे। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। स्वास्थ्य विभाग को परीक्षा केंद्रों के पास एंबुलेंस और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। एडीएम ने बताया कि चम्पा अग्रवाल इंटर कॉलेज भरतपुर गेट, डीएवी इंटर कॉलेज मसानी तिराहा, जवाहर विद्यालय इंटर कॉलेज थाना गोविंद नगर के पास, किशोरी रमण इंटर कॉलेज भरतपुर गेट जंक्शन रोड, किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज भैंस बहोरा, लक्ष्मण प्रसाद चतुर्वेदी आर्य कन्या इंटर कॉलेज आर्य समाज रोड, महाराजा अग्रसेन गर्ल्स इंटर कॉलेज गांधी पार्क डोरी बाजार, प्रेम देवी अग्रवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज न्यू बस स्टैंड, सेठ बीएन पोद्दार इंटर कॉलेज रेलवे कैंट स्टेशन के सामने, श्री गुरु कार्ष्णि इंटर कॉलेज रमणरेती मार्ग महावन, श्री चमेली देवी खंडेलवाल गर्ल्स इंटर कॉलेज वृंदावन गेट, सुभाष इंटर कॉलेज ध्रुव घाट जनरलगंज और वीडीपी राजकीय इंटर कॉलेज नगर निगम कार्यालय के पास जनरलगंज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है।

तमंचा धारी गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने वेदपाल निवासी ततारपुर थाना बरसाना को आजल गांव की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से देशी तमंचा-कारतूस भी बरामद हुए हैं।

अवकाश और हड़ताल का होगा असर

बैंकों का कामकाज 23 से 28 मई तक हो सकता है प्रभावित

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यदि आप बैंकों से लेनदेन करते हैं तो सावधान हो जाइए। वजह है कि 23 से 28 मई तक बैंकों की शाखाओं में कामकाज प्रभावित हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, 23 मई से 28 मई तक लगातार 6 दिनों के लिए एसबीआई समेत अन्य बैंकों की शाखाओं में कार्य प्रभावित रह सकता है। 29 मई से सामान्य बैंकिंग सेवाएं फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

बंदी का संभावित कारण यह बताया जा रहा है कि 23 मई को महीने का चौथा शनिवार होने के कारण बैंक अवकाश है। 24 मई रविवार के चलते साप्ताहिक अवकाश है। 25 और26 मई को कर्मचारी यूनियन द्वारा प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल होने की खबर है। 27 या 28 मई को ईद–उल–अजहा (बकरीद) पर कई राज्यों में अवकाश हो सकता है। ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन द्वारा लंबित मांगों को लेकर हड़ताल का आह्वान किया गया है। यूनियन का कहना है कि भर्ती, सुरक्षा व्यवस्था, वेतन असमानता और पेंशन से जुड़े मुद्दों पर लंबे समय से समाधान नहीं हुआ है। इस अवधि में शाखा आधारित सेवाएं चेक क्लियरेंस, डिमांड ड्राफ्ट और अन्य कागजी प्रक्रियाएं प्रभावित हो सकती हैं।

जायंट्स ग्रुप आफ वृंदावन ने गरीबों को फल वितरित किए

यूनिक समय, वृंदावन। जायंट्स ग्रुप आफ वृंदावन के बैनर तले चैतन्य विहार –2 स्थित लार्ड कृष्णा स्कूल के सामने करीब 500 गरीबों को फल वितरण किए। इस मौके पर अध्यक्ष होशियार सिंह, डीओए राजीव तिवारी एडवोकेट, वित्तीय निदेशक ब्रजेश गिरी, उपाध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, डा. श्याम गोपाल यादव, योगेश गौतम और रजनीकांत शर्मा आदि उपस्थित थे।

दस लाख की फिरोती को किया था बच्चे अपहरण

कोर्ट ने दी आजीवन कारावास की सजा

दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

यूनिक समय, मथुरा। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय संख्या दो सुशील कुमार ने बच्चे का दस लाख की फिरोती के लिए अपरहण करने और फिरोती न देने पर जान से मारने के धमकी देने वाले एक अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक शासकीय अधिवक्ता नरेंद्र शर्मा ने बताया कि मौहर सिंह निवासी चौमुहां ने पुलिस को तहरीर दी कि चौमुहां में रहने वाली उसकी बहन भूदेवी का देवर पौपी पुत्र मौहर सिंह निवासी चुरमुरा थाना फरह उसकी जमीन को बिकवाना चाहता था। बहन ने जमीन को बिक्री करने से मना किया तो पौपी ने कहा कि अगर उसने जमीन नहीं बेची तो उसके लड़के को ले जाकर मार देगा। 21 अक्टूबर 2006 को उसका लड़का सतीश चौमुहां के बाजार गया था, लेकिन घर नहीं लौटा। जानकारी करने पर पता लगा कि लड़के को पौपी और नारायण सिंह निवासी नौगांव छाता बाइक से छाता की ओर ले गए हैं और उसे रहीश निवासी नरसेना थाना बुलंदशहर, पूरन, पदम निवासी गढ़ी परसौती थाना सुरीर को दे दिया है जो उसकी मिलकर हत्या कर सकते हैं। इस मामले में चौकी, थाना वृंदावन में मुकदमा दर्ज हुआ। इसी बीच नरसेना पुलिस ने ऊंचागांव में साहाबुद्दीन के घर 10 नवंबर को दबिश दी। पुलिस के साथ बदमाशों की जमकर गोलियां चली, पुलिस ने वहां से अपहृत सतीश (12)को सकुशल बरामद कर लिया।

पुलिस को बताया गया कि सतीश की दस लाख रुपये की फिरोती के लिए बातचीत चल रही थी। पुलिस ने इस मामले में पदम सिंह, रहीश, पूरन सिंह और नारायन सिंह को गिरफ्तार किया। वृंदावन पुलिस ने इस मामले अभियुक्तों के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया। नारायान सिंह की फाइल पर सुनवाई अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय संख्या दो सुशील कुमार की अदालत में हुई। आदलत ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नारायन सिंह को उक्त सजा से दंडित किया।

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा की तैयारियां

विधायकों के फीडबैक लेने को एजेंसियों को जिम्मेदारी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, लखनऊ। अगले साल यूपी में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी भी चुनावी तैयारियों में पूरी तरह सक्रिय दिखाई देने लगी है। पार्टी अब 2022 में जीतकर विधानसभा पहुंचे विधायकों की जमीनी पकड़ और जनता के बीच उनकी सक्रियता का आंकलन करा रही है। बताया जा रहा है कि जिन विधायकों को लेकर जनता के बीच नाराजगी या दूरी की शिकायतें सामने आ रही हैं, उनकी जगह नए चेहरों की तलाश भी शुरू हो गई है।

एक पदाधिकारी की मानें तो पार्टी हाईकमान ने इस पूरे सर्वे और फीडबैक प्रक्रिया के लिए दो अलग-अलग एजेंसियों को जिम्मेदारी दी है। एजेंसियों की टीम पिछले कई दिनों से शहरों और गांवों में जाकर लोगों से बातचीत कर रही है। सर्वे के दौरान आम जनता से मौजूदा विधायकों के कामकाज, व्यवहार और क्षेत्र में उनकी सक्रियता को लेकर राय ली जा रही है। इसके साथ ही संभावित नए उम्मीदवारों की लोकप्रियता और सामाजिक प्रभाव को भी परखा जा रहा है। पार्टी यह जानने की कोशिश कर रही है कि कौन सा चेहरा आगामी चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर सकता है।

संगठन स्तर से भी रिपोर्ट तैयार कराई जा रही

आरएसएस की भी भूमिका होगी चयन में

राजनीति में दिलचस्पी रखने वालों की मानें, एजेंसियों की टीम मंडलवार सर्वे कर रही है। प्रदेश के ज्यादातर मंडलों में भाजपा का प्रदर्शन मजबूत रहा है। उधर,भाजपा संगठन जिला और क्षेत्र स्तर पर संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार कर रहा है। इसके साथ ही सांसदों और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की राय को भी अहम माना जाएगा। बाहरी एजेंसियों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का मिलान संगठन की सूची से किया जाएगा। जिन नामों पर दोनों स्तरों पर सहमति बनेगी, उन्हें आगे बढ़ाने की संभावना ज्यादा मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि एजेंसियां जल्द अपनी रिपोर्ट पार्टी हाईकमान को सौंप देंगी।

सर्वे के दौरान केवल विधायकों की लोकप्रियता ही नहीं, बल्कि सरकार की योजनाओं और कामकाज को लेकर जनता की राय भी जुटाई जा रही है। पार्टी यह समझने की कोशिश कर रही है कि किन क्षेत्रों में सरकार की छवि मजबूत है और कहां असंतोष की स्थिति बनी हुई है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि समय रहते फीडबैक मिलने से चुनावी रणनीति को बेहतर तरीके से तैयार किया जा सकेगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, जिन नेताओं ने विधायक बनने के बाद काम नहीं किया, पार्टी की उन पर नजर बनी हुई है। साथ ही जिन विधायकों का रिपोर्ट कार्ड खराब है, आगामी चुनाव में उनका टिकट कट सकता है।

मांट पुलिस ने दो लुटेरे किए गिरफ्तार

लूट का मोबाइल, नकदी और तमंचे बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने सर्विलांस टीम की सहायता से लूट के दो अभियुक्तों को मोबाइल, लूट के माल और देशी तमंचे- कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है।

मांट पुलिस कल नसीटी- जावरा अंडरपास के सर्विस रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी बीच एक खास सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां से बाइक से जाते लूट करने वाले दो युवकों को सर्विलांस टीम की सहायता से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में नेत्रपाल निवासी गांव जावरा थाना मांट और जय रावत उर्फ वीर निवासी नगला थाना थाना राया है। इन दोनों ने अपने एक तीसरे साथी के साथ मिलकर 1 मई को लूट की वारदात की थी। पुलिस इनकी तलाश कर रही थी। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल, नकदी, देशी तमंचे कारतूस लूट की वारदात में प्रयुक्त की गई बाइक भी बरामद की है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को संरक्षण के बारे में समझाया

वृंदावन शोध संस्थान में आयोजित संरक्षण कार्यशाला को संबोधित करते मुख्य वक्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन शोध संस्थान में बुधवार को ज्ञान भारतम् के संयुक्त तत्वावधान में चल रही पंच दिवसीय संरक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन वरिष्ठ संरक्षक प्रमोद कुमार पांडेय और डा. डीके वर्मा ने प्रतिभागियों को संरक्षण कार्य की बारीकियों से अवगत कराया। पांडेय ने प्राचीन पांडुलिपियों में प्रयोग होने वाली स्याही के विषय में बताया। जिसके अंतर्गत स्याही के विभिन्न प्रकार जैसे-माही स्याही, आयरन गोल स्याही, कार्बन स्याही, लाल स्याही, गोल्डन, सिल्वर स्याही और कत्था स्याही के बारे जानकारी दी। उन्होंने अम्लीय स्याही को पांडुलिपियों के खराब होने का मुख्य कारण बताया। पांडुलिपियों पर पड़ने वाले विभिन्न प्रकार के दाग-धब्बों के बारे में भी जानकारी देते हुए पांडुलिपि संरक्षण की वातावरणीय दशाओं के बारे में भी बताया।

डा. डीके वर्मा ने बताया कि पुराने समय में पर्चमेंट पेपर, मिट्टी (क्ले), पाम लीफ, बांस एवं कागज आदि पर लेखन की परंपरा थी। पांडुलिपियों पर प्राकृतिक सामग्री (कैलीग्राफी), हेंड काफी, इल्यूमिनेशन आदि तकनीकों से लिखा जाता था। इसके अलावा उन्होंने पांडुलिपियों के खराब होने के कारण बताते हुए पांडुलिपियों के प्राथमिक उपचार के बारे में भी जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान कल्चर प्रोपर्टी की भी जानकारी दी गई।

बहुजन महापुरुषों के नामकरण प्रतिमा स्थापना में विलंब पर आक्रोश

नगर निगम की सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान को ज्ञापन देते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम द्वारा बहुजन महापुरुषों के नाम पर मार्गों, चौराहों और पार्कों के नामकरण, प्रतिमा स्थापना के पारित प्रस्तावों के क्रियान्वयन में की जा रही अनदेखी के विरोध में महात्मा ज्योतिराव फुले विकास समिति और अखिल भारतीय समता फाउंडेशन ने कृष्णा नगर स्थित बिजलीघर से नगर निगम कार्यालय तक पैदल मार्च निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में अनुयायियों ने भाग लिया।

पैदल मार्च के बाद सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह को एक सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि नगर निगम द्वारा विगत वर्षों में महात्मा ज्योतिराव फुले, माता सावित्रीबाई फुले, वीरांगना झलकारी बाई, तथागत गौतम बुद्ध, संत गाडगे आदि महापुरुषों के नाम पर शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों-पार्कों के नामकरण और महात्मा ज्योतिराव फुले की स्थापना के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए जा चुके हैं। समिति अध्यक्ष रमेश सैनी ने अवगत कराया कि प्रस्ताव पारित होने के वर्षों बाद भी न तो नामकरण के साइन बोर्ड लगाए गए, न ही प्रतिमाएं स्थापित की गईं। उन्होंने तत्काल प्रभाव से सभी पारित प्रस्तावों को क्रियान्वित कर नामकरण- प्रतिमा स्थापना का कार्य पूर्ण करने की मांग रखी। इस मौके परअखिल भारतीय समता फाउंडेशन के अध्यक्ष लुकेश कुमार राही, संतोष सैनी, तेजसिंह पंकज, आकाश बाबू, ओमपाल सिंह सैनी, मनीष सैनी, श्याम सुंदर सैनी, देवेन्द्र सिंह आजाद, डा.अंकित सागर, संजय बीडीसी, श्याम लाल सैनी उपस्थित थे।

लेखपाल भर्ती परीक्षा को चलेगी बरेली से मथुरा तक विशेष ट्रेन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश लेखपाल भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की भारी भीड़ और यात्रा सुविधा को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने बड़ा निर्णय लिया है। रेलवे ने 21 मई को बरेली जंक्शन से मथुरा जंक्शन के बीच परीक्षा विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। इसके साथ ही कई ट्रेनों के समय में बदलाव और री-शिड्यूलिंग भी की गई है, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि 05309/05310 बरेली जंक्शन-मथुरा जंक्शन, बरेली जंक्शन परीक्षा विशेष गाड़ी का संचालन विशेष रूप से लेखपाल भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए किया जा रहा है। 05309 बरेली जंक्शन- मथुरा जंक्शन परीक्षा विशेष ट्रेन 21 मई को बरेली जंक्शन से प्रातः 04:00 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन बदायूं में 04:48 बजे, उझानी में 05:00 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र में 05:32 बजे, कासगंज में 06:10 बजे, सिकन्दरा राव में 06:36 बजे, हाथरस सिटी में 07:17 बजे और मथुरा कैंट में 08:30 बजे पहुंचेगी। इसके बाद ट्रेन मथुरा जंक्शन पर 08:45 बजे पहुंचेगी। यात्रा में 05310 मथुरा जं.-बरेली जं. परीक्षा विशेष गाड़ी 21 मई 2026 को मथुरा जंक्शन से 13:10 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन मथुरा कैंट से 13:25 बजे, हाथरस सिटी से 14:13 बजे, सिकन्दरा राव से 14:42 बजे, कासगंज से 15:20 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 15:40 बजे, उझानी से 16:17 बजे, बदायूं से 16:35 बजे प्रस्थान करते हुए बरेली जंक्शन पर 17:50 बजे पहुंचेगी।

रेलवे प्रशासन ने परीक्षा को ध्यान में रखते हुए अन्य ट्रेनों के संचालन में भी बदलाव किया है। 55335 कासगंज-मथुरा जं. सवारी गाड़ी अब कासगंज से अपने निर्धारित समय 11:40 बजे के बजाय 80 मिनट री-शिड्यूल होकर 13:00 बजे चलाई जाएगी। 15037 कानपुर अनवरगंज-कासगंज एक्सप्रेस कानपुर अनवरगंज से निर्धारित समय 11:40 बजे के स्थान पर 65 मिनट देरी से यानी 12:45 बजे रवाना होगी। 55345 लखनऊ जं.-कासगंज सवारी गाड़ी रावतपुर से फर्रुखाबाद के बीच 65 मिनट नियंत्रित की जाएगी और फर्रुखाबाद से यह ट्रेन निर्धारित समय 11:00 बजे के बजाय 13:00 बजे चलाई जाएगी।

ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

पुरुषोत्तम मास में ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में विशेष झांकी के दर्शन।

प्रभु ने 'राई राजा' भेष में दिए दिव्य दर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। सप्त देवालयों में से एक ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में भक्ति और आनंद का अनूठा उत्सव देखा गया। पावन पुरुषोत्तम मास पर ठाकुर राधा दामोदर लाल ने अलौकिक श्रृंगार धारण किया। इस दौरान प्रभु ने अपने भक्तों को 'राई राजा' भेष में दर्शन दिए, जिसे देखकर मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

इस बार के श्रृंगार की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि इसमें स्वरूपों का परस्पर बदलाव किया गया था। मंदिर के सेवायत आचार्यों के अनुसार, इस अलौकिक भेष में राधा रानी ने सर्वोपरि 'राजा' का रूप धारण किया था। सखी ललिता जी ने राजा की मुख्य 'मंत्री' के रूप में दर्शन दिए।

ठाकुर राधा दामोदर लालः स्वयं साक्षात पूर्ण बृह्म ठाकुर जी ने 'कोतवाल' (रक्षक) का रूप धारण कर अपनी प्रिया जी (राधा रानी) की सेवा की। इस अदभुत और दुर्लभ झांकी के दर्शन पाने के लिए सुबह से ही मंदिर परिसर में देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी, आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी महाराज और सेवायत आचार्य करुण गोस्वामी महाराज ने पुरुषोत्तम मास की अलौकिक विशेषता पर प्रकाश डाला।

संत रविदास के विचारों से गूंजा सम्मान समारोह

मेधावी छात्रों ने भाषणों से जीता दिल

समाजसेवियों को किया गया सामाजिक अलंकरण

सम्मानित किए मुख्य और विशिष्ट अतिथि के साथ मेधावी विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। बोधिसत्व सामाजिक सुधार एवं विकास समिति के तत्वाधान में संत रविदास सामाजिक अलंकरण पुरस्कार समारोह और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया।

अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय के भूतपूर्व जॉइन्ट डीन डॉ. धनीराम ने की, जबकि मुख्य अतिथि दिल्ली के पूर्व पुलिस महानिदेशक एसके गौतम, विशिष्ट अतिथि पूर्व अपर जिला जज प्रीतम सिंह और पूर्व जिला अपर जिला जज एसपी सिंह थे।

भाषण प्रतियोगिता के दौरान 18 मेधावी छात्र-छात्राओं ने संत रविदास के जीवन पर प्रकाश डाला। बोधिसत्व सामाजिक सुधार एवं विकास समिति ने मथुरा जिले के दो वरिष्ठ समाजसेवियों बनी सिंह सागर औरएसएन भारती को सम्मानित किया।

भाषण प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सात्वना पुरस्कार के रूप में शील्ड,प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार भूकेश ने अतिथियों का सम्मानित किया। इस मौके पर किरन गौतम,डॉ शशिकरण,डॉ रमा कुमारी, प्रमोद कुमार भूकेश, रामवीर सिंह, राजकमल, जितेन्द्र सिंह,अमित प्रकाश, डीएस पिप्पल,चौधरी खजान सिंह, हाकिम सिंह,मोहन श्याम,हिरेंद्र हरि प्रधान और गुलाब सिंह आदि उपस्थित थे।

24 को होगा स्वराज भारतीय न्याय पार्टी का सम्मेलन

यूनिक समय, बाजना। स्वराज भारतीय न्याय पार्टी के तत्वाधान में 24 मई को सुबह 10 बजे से मथुरा स्थित चित्रकूट धाम के रामलीला मैदान में सम्मेलन का आयोजन होगा। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रामदास सिंह सूर्यवंशी ने कहा कि यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता के अधिकारों, सामाजिक न्याय और विकास के लिए एक शंखनाद होगा। हमारी पार्टी हर वर्ग के हक और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है।

सुविचार

"अधिक सुनो, और तुम्हें बेहतर समझ आएगा।"

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	11:07-08:26 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पुष्य	04:12-02:49 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:31 AM	चन्द्रोदय	09:49 AM
सूर्यास्त		6:59 PM	चंद्रास्त	11:53 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	कर्क राशि
शुभ मुहूर्त		11:48AM -12:42 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		01:56 PM: 03:37 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

नर्मदा परिक्रमा शुरू होती है देवोत्थान एकादशी से

दुनिया में एकमात्र नर्मदा नदी की होती है परिक्रमा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत में हजारों नदियां हैं, लेकिन नर्मदा नदी एकमात्र ऐसी है जिसकी परिक्रमा की जाती है। मध्य प्रदेश के अमरकंटक से निकलने वाली यह नदी धार्मिक आस्था का केंद्र है। हर साल लाखों श्रद्धालु, साधु–संत और पर्यटक इसकी परिक्रमा करते हैं, जो धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है।

नर्मदा परिक्रमा की शुरुआत देवउठनी एकादशी से होती है। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है और इसका उल्लेख नर्मदा पुराण तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। यह माना जाता है कि जो श्रद्धालु नर्मदा की पूरी परिक्रमा करता है, उसे कई जन्मों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं।

साधु–संतों के लिए यह परिक्रमा लगभग 3 साल 3 महीने और 13 दिन में पूरी होती है। इस दौरान उन्हें तीन चातुर्मास (चार–चार महीने की वर्षा ऋतु) भी नर्मदा तट पर ही बिताने होते हैं। साधारण श्रद्धालु इसे कुछ महीनों या वर्षभर में भी पूरा करते हैं, लेकिन सभी को परिक्रमा के कुछ नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है।

परिक्रमा वहीं समाप्त करनी चाहिए जहां से इसकी शुरुआत हुई हो। हालांकि समापन के समय ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जल चढ़ाना आवश्यक होता है। परिक्रमा के दौरान सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद यात्रा नहीं करनी चाहिए। प्रतिदिन स्नान, पूजन और आरती करना आवश्यक है। श्रद्धालुओं को सात्विक भोजन करना चाहिए तथा मांस–मदिरा और तामसिक आहार से दूर रहना चाहिए। रात्रि विश्राम केवल मंदिर, आश्रम या धर्मशाला में करना चाहिए, किसी रिश्तेदार या परिचित के घर नहीं रुकना चाहिए। यात्रा के दौरान कभी भी पीछे नहीं लौटना चाहिए और नदी को पार नहीं करना चाहिए, केवल समुद्र मिलने पर ही तट परिवर्तन किया जा सकता है।

संतों और वैरागियों के लिए नियम अधिक कठोर होते हैं। वे नंगे पांव चलते हैं, जमीन पर सोते हैं और कई

साधु–संतों को नर्मदा परिक्रमा में 3 साल लगते हैं

परिक्रमा के इन नियमों का पालन जरूरी है

बार नमक तक नहीं खाते। वे किसी से कुछ मांगते नहीं, बल्कि 'आकाश वृत्ति' अपनाते हैं यानी ईश्वर की कृपा पर निर्भर रहते हैं। वे अपने साथ कमंडल रखते हैं, जिससे पानी पीना, स्नान करना और अन्य क्रियाएं संपन्न होती हैं।

नर्मदा परिक्रमा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं है, बल्कि आत्मशुद्धि और साधना का मार्ग भी है। यह शारीरिक और मानसिक तपस्या है, जिसके नियमों का पालन कर व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति की ओर बढ़ता है। यदि आप भी इस पावन यात्रा पर निकलने का विचार कर रहे हैं, तो पूरे श्रद्धा भाव से नियमों का पालन करते हुए यात्रा करें।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

अजीब लेकिन असरदार, पीढ़ियों से चला आ रहा टोटका

नजर उतारने का चप्पल वाला टोटका

यूनिक समय, मथुरा। हमारे समाज में बुरी नजर लगना एक आम धारणा रही है। खासकर बच्चों या अचानक बीमार पड़ने वाले लोगों के लिए कई प्रकार के टोटकों का प्रयोग किया जाता रहा है। इनमें से एक अजीब लेकिन पुराना उपाय है चप्पल से नजर उतारना।

हालांकि यह सुनने में अटपटा लगता है, लेकिन ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी परिवारों तक इस उपाय को आज भी अपनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि जो वस्तुएं जमीन से जुड़ी होती हैं, वे नकारात्मक ऊर्जा को अवशोषित करने की क्षमता रखती हैं। चप्पल, जो दिनभर पैरों और जमीन के संपर्क में रहती है, इसीलिए इस प्रक्रिया में प्रयोग होती है। इस प्रक्रिया में उस व्यक्ति की चप्पल या जूते को लिया जाता है, जिस पर नजर लगी हो। फिर उसे उस व्यक्ति के सिर से लेकर पांव तक 7 बार उल्टी दिशा में (घड़ी की दिशा के विपरीत) घुमाया जाता है। इसके बाद चप्पल को घर की दहलीज पर हल्के से पटका जाता है या झाड़ा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से बुरी नजर की ऊर्जा बाहर निकल जाती है और दहलीज पर ही रुक जाती है।

शनिवार का दिन शनि देवता को समर्पित होता है, जो राहु और केतु जैसी नकारात्मक शक्तियों से भी जुड़े माने जाते हैं। इसीलिए शनिवार को यह उपाय ज्यादा असरदार माना जाता है, खासकर बच्चों के लिए जिन पर नजर जल्दी लगती है। इस उपाय की कोई वैज्ञानिक पुष्टि नहीं है, लेकिन मनोवैज्ञानिक रूप से यह तरीका लोगों को मानसिक शांति और संतोष देता है। जब किसी को लगता है कि उन्होंने कोई उपाय किया है, तो डर और चिंता कम होती है, और यही कारण है कि ये परंपराएं आज भी जीवित हैं शायद इसी विश्वास से कि 'कुछ तो असर जरूर होगा'।

मोबाइल वॉलपेपर से बिगड़ सकती है किस्मत!

यूनिक समय, मथुरा। आज के डिजिटल युग में मोबाइल फोन सिर्फ बातचीत या इंटरनेट चलाने का साधन नहीं, बल्कि हमारी मानसिकता, आदतों और ऊर्जा पर भी प्रभाव डालता है। खासकर मोबाइल स्क्रीन पर लगे वॉलपेपर भी हमारे भाग्य से जुड़ सकते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, मोबाइल वॉलपेपर एक सूक्ष्म ऊर्जा का स्त्रोत होता है, जो व्यक्ति के विचारों और जीवन दिशा को प्रभावित करता है। वास्तु विशेषज्ञ हिमाचल सिंह बताते हैं कि जैसे घर की दिशा, दरवाजे और सजावट हमारे जीवन को प्रभावित करती है, वैसे ही

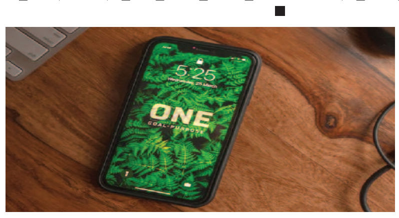

मोबाइल स्क्रीन पर लगाए गए चित्र भी सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। धार्मिक स्थलों जैसे मंदिर, मस्जिद या गुरुद्वारे की तस्वीरें मोबाइल पर लगाना अनुचित माना जाता है, क्योंकि मोबाइल का उपयोग अपवित्र स्थानों पर भी होता है, जिससे अनजाने में इन पवित्र छवियों का अपमान हो सकता है। इसी तरह, देवी–देवताओं की तस्वीरें भी मोबाइल पर लगाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, उदासी, क्रोध या टूटे दिल जैसी नकारात्मक भावनाओं से जुड़ी छवियां भी मन को कमजोर करती हैं। काले या गहरे रंगों वाले वॉलपेपर मानसिक थकान और बाधाएं उत्पन्न कर सकते हैं। वास्तु के अनुसार, मोबाइल पर हल्के रंगों, फूलों, प्राकृतिक दृश्यों या प्रेरणात्मक संदेशों वाले वॉलपेपर लगाना शुभ और ऊर्जा बढ़ाने वाला होता है।

चाणक्य नीति : ऐसी होती हैं बुद्धिमान स्त्री, जो घर को बना देती है स्वर्ग

यूनिक समय, नई दिल्ली। आचार्य चाणक्य, जो तक्षशिला विश्वविद्यालय के महान विद्वान और मौर्य साम्राज्य के निर्माता माने जाते हैं, उन्होंने 'चाणक्य नीति' में जीवन के हर पहलू को समझाया है। स्त्रियों के गुणों पर भी उन्होंने स्पष्ट रूप से मार्गदर्शन दिया है। उनके अनुसार, केवल रूप या धन ही किसी स्त्री को श्रेष्ठ नहीं बनाते, बल्कि उसका व्यवहार, धैर्य, संस्कार और समझदारी ही उसकी असली पहचान होते हैं। ऐसी स्त्री से विवाह करना किसी पुरुष के लिए सौभाग्य की बात होती है, क्योंकि वह घर को स्वर्ग बना देती है।

चाणक्य कहते हैं कि एक बुद्धिमान स्त्री हमेशा धैर्यवान और समझदार होती है। जीवन में चाहे

कितनी भी कठिनाई आ जाए, वह घबराने की बजाय सोच–समझकर स्थिति को संभालती है। ऐसी स्त्री अपने बड़ों का सम्मान करती है और पारिवारिक मर्यादा में रहकर जीवन जीती है। संस्कारी स्त्री घर की नींव को मजबूत करती है। गृहकार्य में दक्ष होना भी स्त्री की बुद्धिमत्ता का संकेत है। जो स्त्री बजट, भोजन, बच्चों और घर के हर पहलू को व्यवस्थित रूप से संभालती है, वह परिवार की रीढ़ बन जाती है। चाणक्य कहते हैं कि पति के हर सुख–दुख में साथ निभाने वाली स्त्री, उसके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है। इसके अलावा, एक बुद्धिमान स्त्री हमेशा कुछ नया सीखने और दूसरों को सिखाने की प्रवृत्ति रखती है। वह बच्चों को अच्छे संस्कार देती है और पूरे परिवार को सच्चाई और ईमानदारी का मार्ग दिखाती है। ऐसी स्त्री अनावश्यक विवादों से बचती है और जहां मौन रहना उचित हो, वहां चुप्पी अपनाकर घर की शांति बनाए रखती है। चाणक्य के अनुसार, जो स्त्री धन और समय का सही उपयोग करती है, वह न केवल आर्थिक रूप से घर को सुदृढ़ बनाती है बल्कि समाज में भी उसका सम्मान बढ़ता है। वह सभी के साथ मधुर व्यवहार करती है और अपने आचरण से परिवार में प्रेम और सद्भाव बनाए रखती है।

इस प्रकार, चाणक्य नीति हमें यह सिखाती है कि बुद्धिमान स्त्री केवल एक पत्नी नहीं होती, बल्कि वह पूरे परिवार की शक्ति, मार्गदर्शक और जीवन की असली संपत्ति होती है।

सम्पादकीय

सफलता की चकाचौंध में क्यों भटकतीं बड़ी कंपनियां

कभी बाजार की शान मानी जाने वाली कई बड़ी कंपनियां आज संघर्ष के दौर से गुजर रही हैं। जिन कंपनियों के शेयर निवेशकों की पहली पसंद हुआ करते थे, वे अब उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पा रहीं। इसका सबसे बड़ा कारण है–सफलता के बाद पैदा होने वाली आत्मसंतुष्टि। जब कोई संगठन लंबे समय तक लगातार लाभ, प्रतिष्ठा और बाजार पर पकड़ बनाए रखता है, तो धीरे–धीरे उसमें यह विश्वास घर कर जाता है कि उसका मॉडल हमेशा काम करता रहेगा। यहीं से गिरावट की शुरुआत होती है।

कंपनियों का संकट अचानक नहीं आता। शुरुआत में सब कुछ सामान्य दिखाई देता है, लेकिन भीतर से संगठन की ऊर्जा

पवन गौतम
संपादक

कम होने लगती है। नवाचार की जगह नियमों का बोझ बढ़ जाता है। बैठकों, फाइलों और प्रक्रियाओं में उलझा प्रबंधन ग्राहकों की बदलती जरूरतों को समझने से दूर हो जाता है। धीरे–धीरे संगठन जोखिम लेने से डरने लगता है और केवल पुराने ढांचे को बचाए रखने में जुट जाता है। यही मानसिकता कंपनियों को भविष्य से काट देती है।

आज का कारोबारी माहौल पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। तकनीक तेजी से बदल रही है, उपभोक्ताओं की पसंद हर दिन बदल रही है और वैश्विक राजनीति भी व्यापार को प्रभावित कर रही है। ऐसे समय में वही कंपनियां टिक पाएंगी जो खुद को लगातार बदलने का साहस रखेंगी। इतिहास गवाह है कि जो संगठन समय के साथ नहीं बदले, वे बाजार से गायब हो गए। कभी मोबाइल बाजार पर राज करने वाली कंपनियां आज उदाहरण बन चुकी हैं कि आत्मविश्वास और अहंकार में कितना अंतर होता है। सबसे बड़ी समस्या तब पैदा होती है जब नेतृत्व यह मानने से इनकार कर देता है कि संगठन संकट में है। कई बार शीर्ष प्रबंधन अपने पुराने गौरव में इतना डूब जाता है कि उसे नई चुनौतियां दिखाई ही नहीं देतीं। परिणामस्वरूप युवा प्रतिभाएं हतोत्साहित होती हैं और संगठन के भीतर रचनात्मकता दम तोड़ने लगती है।किसी भी कंपनी की असली ताकत उसके ग्राहक होते हैं। यदि संगठन ग्राहकों की बदलती अपेक्षाओं को समझना बंद कर दे, तो उसका पतन तय हो जाता है। इसलिए कंपनियों को अपने उद्देश्य, कार्यशैली और नेतृत्व की निरंतर समीक्षा करनी होगी। सफलता स्थायी नहीं होती, लेकिन सीखने और बदलने की क्षमता संगठन को लंबे समय तक जीवित रख सकती है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

बिखरते विपक्ष में नेतृत्व का गहराता संकट

बोध प्रकाश सगुणी

भारतीय राजनीति का इतिहास गवाह रहा है कि जब–जब सत्ता पक्ष बेहद मजबूत हुआ है, तब–तब विपक्षी दलों के भीतर एकता की बेचैनी बढ़ी है। आज का राजनीतिक परिदृश्य भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रहा है। हालिया विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों के बड़े चेहरों की पराजय ने विपक्षी राजनीति को भीतर तक झकझोर दिया है। खासकर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की हार ने उन क्षेत्रीय दलों की चिंता और बढ़ा दी है, जो अब तक अपने–अपने राज्यों में खुद को अजेय मानते रहे थे। अब विपक्षी दलों को महसूस होने लगा है कि भारतीय जनता पार्टी के बढ़ते प्रभाव के सामने अकेले लड़ना शायद उनके राजनीतिक अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता जा रहा है। ममता बनर्जी लंबे समय से भाजपा विरोधी राजनीति का सबसे आक्रामक चेहरा रही हैं। उनकी राजनीति संघर्ष, सड़क और साहस की राजनीति मानी जाती रही है। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों ने यह साफ कर दिया कि सिर्फ व्यक्तिगत करिश्मा अब पर्याप्त नहीं रह गया है। भाजपा ने बंगाल में जिस तरह अपनी पकड़ मजबूत की है, उसने विपक्षी राजनीति की पूरी दिशा बदल दी है। अब वही ममता, जो कभी इंडिया ब्लॉक की बैठकों से दूरी बनाकर चलती थीं, विपक्षी एकता की सबसे बड़ी जरूरत महसूस करने लगी हैं। राजनीति का यही यथार्थ है–जब तक ताकत बनी रहती है, सहयोगियों की जरूरत कम महसूस होती है, लेकिन जैसे ही जमीन खिसकती है, एकता सबसे बड़ा मंत्र बन जाती है।

हालांकि विपक्षी एकता की राह केवल भाजपा की मजबूती से कठिन नहीं हुई है, बल्कि विपक्षी दलों के आपसी अहंकार और नेतृत्व की लड़ाई ने इसे और उलझा दिया है। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इंडिया ब्लॉक का गठन बड़े उत्साह के साथ हुआ था। पटना में हुई पहली बैठक में ऐसा लगा कि भाजपा के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खड़ा हो सकता है। लेकिन कुछ ही महीनों में यह स्पष्ट हो गया कि विचारधारा से ज्यादा नेतृत्व की लड़ाई विपक्ष को कमजोर कर रही है। कांग्रेस अपने पुराने राष्ट्रीय प्रभुत्व को छोड़ने को तैयार नहीं दिखी, जबकि क्षेत्रीय दल अपने–अपने राज्यों में कांग्रेस को ज्यादा जगह देने के पक्ष में नहीं थे। नीतीश कुमार इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने विपक्षी दलों को एक मंच पर लाने की पहल की, लेकिन जब उन्हें अपेक्षित महत्व नहीं मिला, तो उन्होंने फिर भाजपा का हाथ थाम लिया। यह केवल राजनीतिक अवसरवाद नहीं था, बल्कि विपक्षी राजनीति की उस विफलता का परिणाम भी था, जिसमें कोई भी दल दूसरे को बराबरी का स्थान देने को तैयार नहीं। कांग्रेस को सहयोगियों का साथ तो चाहिए, लेकिन नेतृत्व किसी और के हाथ में जाए, यह उसे स्वीकार नहीं। दूसरी तरफ क्षेत्रीय दल भी अपने राज्यों में कांग्रेस को मजबूत नहीं होने देना चाहते। ऐसे में एक मजबूत और भरोसेमंद गठबंधन कैसे खड़ा हो सकता है?

विपक्ष की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उसके पास राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा चेहरा नहीं है, जो पूरे देश में सहज स्वीकार्यता

रखता हो। राहुल गांधी लगातार भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले करते रहे हैं, लेकिन उनकी शैली अब भी आम मतदाता के बड़े वर्ग को पूरी तरह भरोसेमंद नहीं लगती। राजनीतिक परिपक्वता की जगह कई बार उनका व्यवहार प्रतीकात्मक और भावनात्मक ज्यादा दिखाई देता है। ममता बनर्जी संघर्षशील नेता हैं, लेकिन उनकी तुनकमिजाजी और क्षेत्रीय छवि उन्हें सर्वस्वीकार्य नेता बनने से रोकती है। अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल अपने–अपने राज्यों तक सीमित प्रभाव रखते हैं, जबकि एमके स्टालिन की राजनीति तमिलनाडु से बाहर बहुत प्रभाव नहीं छोड़ पाती। दरअसल विपक्षी राजनीति इस समय नेतृत्वहीनता के दौर से गुजर रही है। अटल बिहारी वाजपेयी या इंदिरा गांधी जैसे सर्वमान्य नेताओं के दौर में राजनीतिक गठबंधनों को दिशा मिल जाती थी। आज विपक्ष में ऐसा कोई चेहरा नहीं है, जो विभिन्न विचारधाराओं और महत्वाकांक्षाओं को एक सूत्र में बांध सके। यही वजह है कि हर चुनाव के बाद विपक्षी दल गणित तो जोड़ते हैं, लेकिन रसायन नहीं बना पाते। वोट प्रतिशत के आधार पर यह आकंलन किया जाता है कि अगर सारे विपक्षी वोट एक हो जाते, तो भाजपा हार सकती थी। लेकिन चुनाव केवल गणित नहीं होते। मतदाताओं का मनोविज्ञान, नेतृत्व का भरोसा और राजनीतिक स्थिरता भी उतनी ही बड़ी भूमिका निभाते हैं। पश्चिम बंगाल का उदाहरण ही देखें। वहां भाजपा को लगभग 46 प्रतिशत वोट मिले, जबकि तृणमूल, कांग्रेस और वाममोर्चे के वोट जोड़ दिए जाएं तो आंकड़ा भाजपा से अधिक बैठता है।

लेकिन क्या इन दलों के वोटर सहजता से एक–दूसरे को स्वीकार कर लेते? यही सबसे बड़ा सवाल है। बंगाल में कांग्रेस और वाममोर्चा वर्षों तक ममता बनर्जी के सबसे बड़े विरोधी रहे हैं। ऐसे में केवल भाजपा विरोध के आधार पर वोटों का सहज हस्तांतरण संभव नहीं दिखता। यही स्थिति उत्तर प्रदेश, दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में भी दिखाई देती है। भारतीय राजनीति में विपक्षी एकता का विचार नया नहीं है। 1960 के दशक में डॉ. राममनोहर लोहिया ने गैर–कांग्रेसवाद का नारा दिया था। उनका मानना था कि कांग्रेस विरोधी वोटों को अगर एक मंच पर लाया जाए तो सत्ता परिवर्तन संभव है। इसका असर 1967 के चुनावों में दिखाई भी दिया, जब कई राज्यों में कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई। बाद के वर्षों में जनता पार्टी प्रयोग और फिर संयुक्त मोर्चा सरकारों ने भी यही रास्ता अपनाया। लेकिन भारतीय राजनीति का अनुभव बताता है कि केवल सत्ता विरोध से बने गठबंधन लंबे समय तक टिकाऊ नहीं होते। विचारधारा, नेतृत्व और साझा कार्यक्रम के अभाव में ऐसे गठबंधन जल्दी बिखर जाते हैं। आज भी विपक्ष उसी दुविधा से गुजर रहा है। भाजपा विरोध एक साझा बिंदु जरूर है, लेकिन इसके अलावा विपक्षी दलों के बीच कोई ठोस वैचारिक आधार दिखाई नहीं देता। कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष राजनीति की बात करती है, जबकि कई क्षेत्रीय दल अपनी जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों पर अधिक निर्भर हैं। आम आदमी पार्टी खुद को पारंपरिक राजनीति से अलग बताती है, तो वामदल आर्थिक मुद्दों को केंद्र में रखते हैं। इतने अलग–अलग राजनीतिक दृष्टिकोणों को एक मंच पर स्थायी रूप से जोड़ना आसान नहीं। विपक्ष की एक और बड़ी कमजोरी यह है कि वह सत्ता पक्ष की वैकल्पिक नीति प्रस्तुत करने में असफल रहा है। भाजपा राष्ट्रवाद, कल्याणकारी योजनाओं और मजबूत नेतृत्व के आधार पर जनता के बीच लगातार अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। इसके मुकाबले विपक्ष का एजेंडा अधिकतर भाजपा विरोध तक सीमित दिखाई देता है। केवल सरकार की आलोचना करने से जनता भरोसा नहीं करती। जनता यह भी जानना चाहती है कि विकल्प क्या है, नेतृत्व कैसा होगा और देश की दिशा क्या होगी। विपक्ष इन सवालों के स्पष्ट जवाब देने में अब तक सफल नहीं हुआ है। आने वाले समय में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती उत्तर प्रदेश का चुनाव होगा। अगर वहां भी भाजपा लगातार तीसरी बार बड़ी जीत दर्ज कर लेती है, तो विपक्ष का मनोबल और कमजोर हो सकता है। अखिलेश यादव के लिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि अपने राजनीतिक भविष्य को बचाने की भी चुनौती होगा। दूसरी ओर कांग्रेस अब भी अपने खोए जनाधार को वापस पाने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसकी राह बेहद कठिन नजर आती है।

राजनीति में स्थायी दोस्त और दुश्मन नहीं होते, केवल हित स्थायी होते हैं। यही कारण है कि चुनावी हार के बाद विपक्षी दलों को फिर एकता की याद आने लगी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल हार का डर स्थायी एकता का आधार बन सकता है? इतिहास बताता है कि बिना विश्वास, त्याग और साझा दृष्टि के कोई भी गठबंधन ज्यादा समय तक नहीं चल पाता। विपक्षी दलों को यदि वास्तव में भाजपा के सामने मजबूत चुनौती खड़ी करनी है, तो उन्हें केवल सीटों के बंटवारे से आगे बढ़कर वैचारिक स्पष्टता और नेतृत्व की ईमानदार स्वीकार्यता विकसित करनी होगी।

फिलहाल विपक्ष की स्थिति ऐसी दिखाई देती है, जहां हर दल खुद को सबसे बड़ा मानता है, लेकिन कोई भी दूसरे को बराबरी का सम्मान देने को तैयार नहीं। यही कारण है कि विपक्षी राजनीति के सुर अब भी बिखरे हुए हैं। जब तक यह बिखराव खत्म नहीं होगा, तब तक "सुर हमारा–तुम्हारा" का सपना शायद केवल राजनीतिक गीत बनकर ही रह जाएगा।

विचार विण्डो

शुभेंदु सरकार के फैसलों से बदलता बंगाल

राम अग्रवाल

पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय बाद सत्ता परिवर्तन के बाद अब राज्य की दिशा और दशा दोनों बदलती दिखाई दे रही हैं। शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने सत्ता संभालते ही जिस तेजी से फैसले लेने शुरू किए हैं, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। चुनाव प्रचार के दौरान ही यह संकेत मिल गए थे कि नई सरकार सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सख्त प्रशासन और कानून व्यवस्था को अपनी प्राथमिकता बनाएगी। अब सरकार के शुरुआती फैसलों ने यह स्पष्ट भी कर दिया है कि बंगाल में राजनीतिक और प्रशासनिक बदलाव केवल नारों तक सीमित नहीं रहने वाला।

नई सरकार ने सबसे पहले कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सख्ती पर जोर दिया। राज्य के कई धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों को नियमों के तहत हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई। अवैध बूचड़खानों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए गए और प्रशासनिक मशीनरी को सक्रिय किया गया। विद्यालयों में वंदेमातरम के पूर्ण गायन को अनिवार्य करने के फैसले ने सरकार के सांस्कृतिक एजेंडे को स्पष्ट रूप से सामने ला दिया। इसके साथ ही सार्वजनिक सड़कों पर धार्मिक गतिविधियों और यातायात बाधित करने वाले आयोजनों पर भी नियंत्रण लगाने की दिशा में कदम बढ़ाए गए हैं।

सरकार के इन फैसलों का राजनीतिक असर भी तेजी से दिखाई देने लगा है। भाजपा नेतृत्व इसे "भय से भरोसे की राजनीति" की शुरुआत बता रहा है। लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस के प्रभाव वाले इलाकों में भाजपा अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रही थी। अब सत्ता में आने के बाद प्रशासनिक बदलावों ने भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मनोबल बढ़ाया है। कई क्षेत्रों में विपक्षी दलों के प्रभाव में कमी आने की चर्चा भी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी लगातार यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि उनकी सरकार कानून व्यवस्था के मामले में किसी प्रकार की नरमी नहीं बरतेगी। कोलकाता में हाल में हुए उपद्रव और तनाव की घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री स्वयं पुलिस अधिकारियों के बीच पहुंचे और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि राज्य में अब हिंसा और

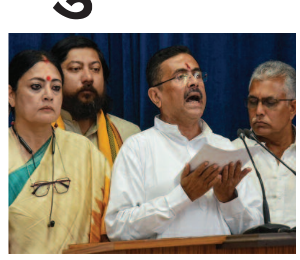

राजनीतिक संरक्षण की संस्कृति को समाप्त किया जाएगा। भाजपा समर्थक इसे उत्तर प्रदेश मॉडल की तर्ज पर "जीरो टॉलरेंस नीति" का आरंभ मान रहे हैं। नई सरकार ने पूर्ववर्ती शासनकाल के दौरान हुई राजनीतिक हिंसा और विवादित मामलों की फाइलें भी दोबारा खोलने का निर्णय लिया है। वर्ष 2021 के चुनावों के बाद हुई हिंसक घटनाओं और राजनीतिक हत्याओं की जांच फिर से शुरू होने की खबरों ने राज्य की राजनीति को और गरमा दिया है। सरकार का कहना है कि जिन मामलों में पीड़ितों को न्याय नहीं मिला, उनकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। वहीं विपक्ष इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बता रहा है। लेकिन इतना तय है कि इन फैसलों ने बंगाल की राजनीति को एक नए टकराव की दिशा में पहुंचा दिया है।

सीमा सुरक्षा और घुसपैठ रोकने के मुद्दे पर भी सरकार ने बड़े फैसले लिए हैं। बांग्लादेश सीमा से लगे इलाकों में फेंसिंग कार्य को तेज करने के लिए सीमा सुरक्षा बल को अतिरिक्त भूमि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। भाजपा लंबे समय से राज्य में अवैध घुसपैठ को बड़ा मुद्दा बनाती रही है। अब सरकार का दावा है कि सीमा क्षेत्रों में निगरानी बढ़ने से अवैध गतिविधियों पर रोक लगेगी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बढ़ने से सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई भी अधिक प्रभावी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नई सरकार ने धार्मिक आधार पर चलने वाली कुछ वित्तीय सहायता योजनाओं की समीक्षा भी शुरू कर दी है। इमामों और अन्य धार्मिक पदाधिकारियों को दिए जाने वाले भत्तों को बंद करने का फैसला राजनीतिक बहस का बड़ा विषय बन गया है। भाजपा इसे समानता और तुष्टिकरण की राजनीति समाप्त करने की दिशा में कदम बता रही है, जबकि विपक्ष का आरोप है कि सरकार समाज को धार्मिक आधार पर बांटने की कोशिश कर रही है। इसके बावजूद भाजपा नेतृत्व अपने फैसलों को लेकर पूरी तरह आक्रामक और आत्मविश्वास से भरा दिखाई दे रहा है। राज्य में केंद्रीय एजेंसियों की सक्रियता भी बढ़ने लगी है। प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो को पहले की तुलना में अधिक स्वतंत्रता मिलने की चर्चा है। कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में जांच तेज हो रही है। भाजपा का कहना है कि पिछली सरकार के दौरान जिन मामलों को दबाया गया, अब उनकी निष्पक्ष जांच होगी। इससे राज्य की राजनीति में आने वाले दिनों में और उथल–पुथल देखने को मिल सकती है।

वहीं दूसरी ओर सरकार जनकल्याण योजनाओं के जरिए जनता के बीच अपनी स्वीकार्यता मजबूत करने की कोशिश भी कर रही है। आयुष्मान भारत योजना को पूरी तरह लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। महिलाओं के लिए मासिक आर्थिक सहायता योजना को मंजूरी दी गई है, जबकि बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा सुविधा देने की तैयारी भी की जा रही है। सरकारी कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की दिशा में भी कदम बढ़ाए गए हैं। भाजपा सरकार यह संदेश देना चाहती है कि उसकी राजनीति केवल वैचारिक मुद्दों तक सीमित नहीं, बल्कि विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर भी केंद्रित है।

व्यापार और परिवहन से जुड़े क्षेत्रों में भी बदलाव दिखाई दे रहे हैं। राज्य की सीमाओं पर कथित अवैध वसूली और अनधिकृत टोल नाकों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और व्यापारियों ने इन कदमों का स्वागत किया है। सरकार का दावा है कि इससे व्यापारिक गतिविधियां आसान होंगी और राज्य की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। पश्चिम बंगाल लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा, वैचारिक संघर्ष और क्षेत्रीय ध्रुवीकरण की राजनीति का केंद्र रहा है। अब शुभेंदु अधिकारी सरकार उस छवि को बदलने की कोशिश कर रही है। भाजपा इसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सुशासन की शुरुआत बता रही है, जबकि विपक्ष इसे राजनीतिक ध्रुवीकरण की नई रणनीति कह रहा है। लेकिन इतना स्पष्ट है कि राज्य में सत्ता परिवर्तन केवल चेहरों का बदलाव नहीं, बल्कि राजनीतिक शैली और प्रशासनिक प्राथमिकताओं में बड़े परिवर्तन का संकेत बन चुका है।

अब टीम से जुड़ने की तैयारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज

विराट की टीम को मिली बड़ी राहत फिल साल्ट जल्द करेंगे वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम को प्लेऑफ से ठीक पहले बड़ी राहत मिली है। टीम के विस्फोटक ओपनर फिल सॉल्ट की वापसी का रास्ता लगभग साफ हो गया है। पिछले एक महीने से चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे इंग्लैंड के बल्लेबाज अब जल्द ही भारत लौटकर आरसीबी कैंप से जुड़ सकते हैं। उनकी वापसी की खबर से टीम के साथ–साथ फैंस में भी उत्साह बढ़ गया है। डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी इस सीजन शानदार लय में नजर आ रही है। टीम ने अब तक 13 मुकाबलों में 18 अंक हासिल कर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। इतना ही नहीं, टीम फिलहाल अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर बनी हुई है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में संतुलित प्रदर्शन के कारण आरसीबी इस बार खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। ऐसे में फिल सॉल्ट जैसे आक्रामक बल्लेबाज की वापसी टीम के लिए और बड़ी मजबूती साबित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल सॉल्ट इस सप्ताह के अंत तक भारत लौट सकते है। उन्हें 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान चोट लगी थी। मैच में बाउंड्री बचाने के प्रयास में डाइव लगाते समय उनकी बाईं हाथ की उंगली चोटिल हो गई थी। चोट गंभीर होने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से कुछ समय के लिए बाहर होना पड़ा। इसके बाद वह इलाज और रिकवरी के लिए अपने घर लौट गए थे। तब से वह एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में आरसीबी ने जैकब बेथेल को विराट कोहली के साथ ओपनिंग की जिम्मेदारी दी थी। हालांकि बेथेल उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। उन्होंने सात पारियों में केवल 96 रन बनाए। ऐसे में टीम को लगातार एक आक्रामक शुरुआत की कमी महसूस हुई। फिल सॉल्ट की वापसी से टीम को फिर से तेज शुरुआत मिलने की उम्मीद है, जिससे मध्यक्रम पर दबाव कम होगा। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह 22 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले में खेल पाएंगे या नहीं। माना जा रहा है कि आरसीबी टीम प्रबंधन प्लेऑफ को ध्यान में रखते हुए कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। यदि सॉल्ट पूरी तरह फिट नहीं होते हैं, तो टीम उन्हें सीधे प्लेऑफ मुकाबलों के लिए तैयार कर सकती है। आरसीबी के लिए इस सीजन विराट कोहली लगातार रन बना रहे हैं। वहीं वेंकटेश अय्यर और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने भी अहम मौकों पर टीम को संभाला है। गेंदबाजी में भी टीम का प्रदर्शन संतुलित रहा है। ऐसे में फिल सॉल्ट की वापसी आरसीबी की खिताबी उम्मीदों को और मजबूत कर सकती है। फैंस को उम्मीद है कि प्लेऑफ में टीम पूरी ताकत के साथ मैदान पर उतरेगी और लगातार दूसरे साल ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा करेगी।

अभिनेता बोले— जनता को गुमराह करना शर्मनाक

बिना अनुमति वीडियो इस्तेमाल करने पर भड़के आर माधवन

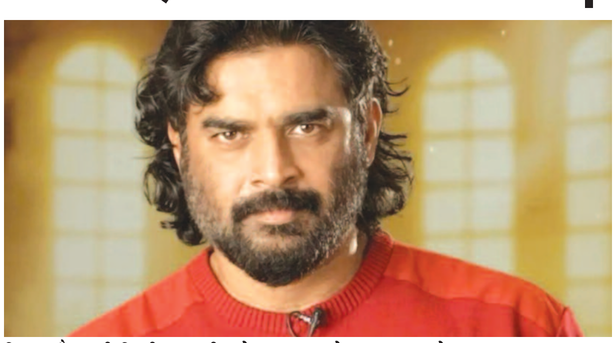

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड और साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता आर माधवन इन दिनों एक हेल्थकेयर ब्रांड के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर आरोप लगाया है कि एक हेल्थकेयर कंपनी ने बिना अनुमति उनके इंटरव्यू की वीडियो क्लिप का इस्तेमाल अपने प्रोडक्ट के प्रचार के लिए किया। माधवन ने इसे गलत और भ्रामक बताते हुए संबंधित ब्रांड को कानूनी नोटिस भेजने की जानकारी भी दी है। आर माधवन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस मामले पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा कि यह बेहद शर्मनाक है कि कुछ लोग किसी के इंटरव्यू की क्लिप उठाकर उसे विज्ञापन का हिस्सा बना लेते हैं। अभिनेता ने साफ कहा कि उन्होंने कभी भी उस प्रोडक्ट का समर्थन नहीं किया और न ही किसी तरह की प्रमोशनल अनुमति दी थी। माधवन ने अपने पोस्ट में लिखा कि संबंधित रील को इस तरह पेश किया गया, जैसे वह खुद उस हेल्थकेयर प्रोडक्ट का प्रचार कर रहे हों, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा कि वीडियो क्लिप को एक इंटरव्यू से लिया गया और बिना अनुमति उसे विज्ञापन की तरह इस्तेमाल किया गया। अभिनेता ने इसे जनता को गुमराह करने वाला कदम बताया। अभिनेता ने लोगों से ऐसे संगठनों और विज्ञापनों से सावधान रहने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि जब कोई कंपनी किसी व्यक्ति की छवि और वीडियो का गलत इस्तेमाल करती है, तो इससे लोगों का भरोसा टूटता है। सोशल मीडिया पर माधवन की इस पोस्ट को लेकर फैंस भी उनका समर्थन करते नजर आए। कई यूजर्स ने कहा कि किसी भी सेलिब्रिटी की छवि का बिना अनुमति उपयोग करना गलत है और इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वर्क फ्रंट की बात करें तो आर माधवन हाल ही में अपनी फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वह हाल के महीनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आए हैं। उनकी फिल्म 'धुरंधर 2' को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई दिए। इसके अलावा माधवन 'केसरी 2' और 'दे दे प्यार दे 2' जैसे प्रोजेक्ट्स को लेकर भी सुर्खियों में रहे। अभिनय के साथ–साथ सामाजिक मुद्दों और गलत गतिविधियों के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने के कारण भी अभिनेता अक्सर चर्चा में रहते हैं।

आरसीबी 2026 में बल्ले से मचा रहे हैं धमाल

236 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट के साथ 500 रन पूरे करने वाले बने पहले बल्लेबाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से उन्होंने इस सीजन कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में वैभव ने तूफानी पारी खेलते हुए एक खास मामले में वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लखनऊके खिलाफ मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 38 गेंदों में 93 रन की शानदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 7 चौके और 10 छक्के लगाए। हालांकि वह शतक से चूक गए, लेकिन उनकी इस विस्फोटक बल्लेबाजी ने राजस्थान को आसान जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 244.74 का रहा। इस पारी के साथ वैभव ने आईपीएल 2026 में 500 से ज्यादा रन भी पूरे कर लिए। खास बात यह रही कि उन्होंने यह उपलब्धि 236.3 के स्ट्राइक रेट के साथ हासिल की, जो आईपीएल इतिहास में एक सीजन में 500 या उससे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले यह रिकॉर्ड आंद्रे रसेल के नाम था। रसेल ने आईपीएल 2019 में 204.8 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं, जिन्होंने इसी सीजन 202 के स्ट्राइक रेट से 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं निकोलस पूरन और ट्रैविस हेड भी इस खास सूची में शामिल हैं।

वैभव सूर्यवंशी ने तोड़ा आंद्रे रसेल का बड़ा रिकॉर्ड

अगर मैच की बात करें तो लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 220 रन बनाए थे। टीम के लिए मिचेल मार्श ने 97 रन की शानदार पारी खेली। जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने 19.1 ओवर में ही 225 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। राजस्थान की इस जीत में वैभव सूर्यवंशी के अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी अहम योगदान दिया। इस जीत के साथ राजस्थान रॉयल्स की टीम अंक तालिका में टॉप–4 में पहुंचने में सफल रही। लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद वैभव सूर्यवंशी इस सीजन के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में गिने जा रहे हैं।

इंडस्ट्री, अभिनेता संजय खान को करानी पड़ी थीं कई सर्जरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय टेलीविजन के इतिहास में 'द स्वॉर्ड ऑफ टीपू सुल्तान' एक बेहद लोकप्रिय और चर्चित धारावाहिक माना जाता है। दूरदर्शन पर प्रसारित इस ऐतिहासिक शो ने दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई थी, लेकिन यह धारावाहिक एक दर्दनाक हादसे के कारण भी हमेशा याद किया जाता है। इस शो का निर्माण और निर्देशन अभिनेता संजय खान ने किया था। उन्होंने ही धारावाहिक में टीपू सुल्तान की मुख्य भूमिका निभाई थी। शो में दीपिका चिखलिया, शहबाज खान और अनंत महादेवन जैसे कलाकार भी नजर आए थे। यह धारावाहिक 25 फरवरी 1990 से 14 अप्रैल 1991 तक दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ था। दरअसल, 8 फरवरी 1989 को कर्नाटक के मैसूर स्थित प्रीमियर स्टूडियो में शो की शूटिंग के दौरान अचानक भीषण आग लग गई थी। बताया जाता है कि सेट पर ज्वलनशील सामान अधिक होने और वेंटिलेशन की कमी के कारण आग तेजी से फैल गई। कुछ ही मिनटों में पूरा सेट आग की चपेट में आ गया और वहां अफरा–तफरी मच गई। इस दर्दनाक हादसे में करीब 60 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें कई जूनियर कलाकार, तकनीशियन और क्रू मेंबर्स शामिल थे। हादसे में संजय खान भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार उनका शरीर लगभग 65 प्रतिशत तक झुलस गया था। लंबे समय तक अस्पताल में उनका इलाज चला और उन्हें कई सर्जरी करानी पड़ी। हादसे के बाद शो की शूटिंग कुछ समय के लिए रोक दी गई थी। बाद में दोबारा शूटिंग शुरू हुई और यह धारावाहिक दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय साबित हुआ। आज भी 'द स्वॉर्ड ऑफ टीपू सुल्तान' भारतीय टेलीविजन के सबसे यादगार ऐतिहासिक धारावाहिकों में गिना जाता है।

'महाभारत' की सत्यवती अब जी रही हैं गुमनामी की जिंदगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। बीआर चोपड़ा के चर्चित धारावाहिक 'महाभारत' में सत्यवती का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री देबाश्री रॉय आज भी दर्शकों के बीच खास पहचान रखती हैं। उन्होंने अपने दमदार अभिनय से इस किरदार को यादगार बना दिया था। 'महाभारत' की कहानी में सत्यवती का किरदार बेहद अहम था। राजा शांतनु से विवाह के लिए रखी गई शर्त के कारण देवव्रत ने आजीवन ब्रह्मचर्य की प्रतिज्ञा ली थी और आगे चलकर वह भीष्म कहलाए। इस तरह सत्यवती का किरदार पूरी महाभारत की कहानी की महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। देबाश्री रॉय बंगाली सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री रही हैं। उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया और अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी जीता। फिल्म में उनके

राजनीति के बाद अब खुद को सामाजिक कार्यों में किया समर्पित

शानदार प्रदर्शन को काफी सराहा गया था। बहुत कम लोग जानते हैं कि देबाश्री रॉय का बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी से पारिवारिक रिश्ता है। वह रिश्ते में रानी मुखर्जी की मौसी लगती हैं। अभिनय के बाद उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा और पश्चिम बंगाल में विधायक बनीं। हालांकि बाद में उन्होंने राजनीति से दूरी बना ली। इन दिनों देबाश्री रॉय कोलकाता में शांत जीवन बिता रही हैं। वह फिल्मों और टीवी की दुनिया से दूर अब पशु कल्याण और सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनका एनजीओ बेसहारा जानवरों की देखभाल करता है।

47 डिग्री तक पहुंचा कई जिलों का तापमान

भीषण लू से उत्तरप्रदेश के शहर तपते हुए संकटग्रस्त

दुनिया के गर्म शहरों में यूपी शामिल

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। हालात इतने गंभीर हो चुके हैं कि राज्य के 40 जिले दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में शामिल हो गए हैं। लगातार बढ़ते तापमान और झुलसाने वाली गर्म हवाओं ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। दोपहर के समय सड़कें सूनी दिखाई दे रही हैं और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार बांदा, मुरादाबाद, इटावा और औरैया में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इन शहरों में लू के थपेड़े लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुके हैं। वहीं प्रयागराज, बदायूं, रामपुर, फतेहपुर, संभल, बिजनौर, अमरोहा, मिर्जापुर, अलीगढ़ और वाराणसी समेत कई जिलों में तापमान 46 डिग्री दर्ज किया गया।

इसके अलावा जौनपुर, आजमगढ़, झांसी, आगरा, मथुरा, हाथरस, शाहजहांपुर और अयोध्या जैसे शहरों में पारा 45 डिग्री के पार पहुंच चुका है। नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और ग्रेटर नोएडा सहित एनसीआर से जुड़े इलाकों में भी तेज गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राहत मिलने की संभावना कम जताई है।

विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर में घर से बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और हल्के सूती कपड़े पहनने की सलाह दी है। बढ़ती गर्मी के कारण अस्पतालों में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है।

प्रयागराज सिविल लाइंस में पथराव से मचा बवाल

वकीलों कर्मचारियों के बीच हिंसक झड़प

पथराव में एसीपी घायल होकर गिरे

यूनिक समय, प्रयागराज । प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में बुधवार को वकीलों और गर्वमेंट प्रेस कर्मचारियों के बीच जमकर बवाल हो गया। दोनों पक्षों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प और पथराव में बदल गया। इस दौरान इलाके में अफरातफरी मच गई और कई वाहनों के शीशे टूट गए। पथराव के बीच एसीपी सिविल लाइंस विद्युत गोयल घायल हो गए और गश खाकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल भेजा गया।

बताया जा रहा है कि एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों और वकीलों के बीच हुई मारपीट के विरोध में वकील प्रदर्शन कर रहे थे। बड़ी संख्या में वकीलों ने सिविल लाइंस स्थित एकलव्य चौराहे पर चक्काजाम कर दिया और आरोपी डॉक्टरों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। इसी दौरान एक गर्वमेंट प्रेस कर्मचारी बैरिकेडिंग पार करने लगा, जिस पर वकीलों से उसका विवाद हो गया।

कुछ ही देर में बड़ी संख्या में गर्वमेंट प्रेस कर्मचारी भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। देखते ही देखते पत्थरबाजी होने लगी। पथराव में कई गाड़ियों के शीशे टूट गए, जबकि गर्वमेंट प्रेस कार्यालय के गेट और परिसर में भी तोड़फोड़ की गई। वहां रखे फूलों के गमले भी क्षतिग्रस्त कर दिए गए।

सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है और पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

रायबरेली रैली में राहुल मोदी पर जमकर बरसे

महंगाई और अर्थव्यवस्था पर उठाए सवाल

भाजपा ने बयान को बताया अपमानजनक

यूनिक समय, लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रायबरेली की जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ रहा है और आने वाले समय में महंगाई तेजी से बढ़ेगी। राहुल ने कहा कि पेट्रोल, डीजल, गैस और जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ने वाले हैं, जबकि किसानों को खाद तक नहीं मिलेगी।

राहुल गांधी ने संविधान और आरक्षण के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि संविधान ने देश को अधिकार और नौकरियां दीं, लेकिन सरकार सार्वजनिक संस्थानों को निजी हाथों में सौंप रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि देश की संपत्ति कुछ बड़े उद्योगपतियों तक सीमित की जा रही है। राहुल गांधी के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछड़े और गरीब समाज से आते हैं, इसलिए कांग्रेस लगातार उनके खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करती है। उन्होंने इसे कांग्रेस की मानसिकता बताया।

आगरा में अरहर बनाकर बेची जा रही थी जहरीली दाल

एफएसडीए छापे में बड़ा खुलासा सामने

2760 किलो प्रतिबंधित दाल हुई बरामद

यूनिक समय, आगरा। आगरा के कागारौल क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित खेसारी दाल के अवैध कारोबार का खुलासा किया है। अरहर दाल के नाम पर गांव-गांव सस्ती दाल बेचकर लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छापेमारी कर करीब 2760 किलो प्रतिबंधित खेसारी दाल बरामद की है। विभाग ने गोदाम को सीज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्रवाई सहायक आयुक्त खाद्य महेंद्र श्रीवास्तव के निर्देश पर मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश गुप्ता के नेतृत्व में की गई।

टीम ने कागारौल क्षेत्र के नगला घुरैला स्थित गोदाम पर दबिश देकर 92 कट्टों में भरी दाल जब्त की। प्राथमिक जांच में सामने आया कि इस दाल को अरहर बताकर ग्रामीण इलाकों में कम कीमत पर बेचा जा रहा था। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में खेसारी दाल प्रतिबंधित है और इसका सेवन शरीर के तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है।

पूरा मामला तब सामने आया जब किरावली क्षेत्र के मलिकपुर गांव में कुछ युवक मोटरसाइकिल से दाल बेचने पहुंचे। ग्रामीणों को दाल की गुणवत्ता और रंग पर शक हुआ। लोगों ने युवकों को रोककर खाद्य विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने दाल का नमूना लिया और पूछताछ की। जांच में गोदाम का पता चलने पर विभाग ने देर रात छापेमारी की।

खाद्य विभाग का मानना है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित दाल बाजार में खपाई जा चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक खेसारी दाल खाने से लकवा जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। विभाग अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रहा है।

आगरा में शादी के बाद पति की दोहरी जिंदगी उजागर

मोबाइल चैट ने खोले कई बड़े राज

दहेज विवाद से रिश्ते में बढ़ी दरार

यूनिक समय, आगरा। आगरा में शादी के बाद एक महिला ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि शादी के बाद से ही पति उससे दूरी बनाए रखता था और वैवाहिक संबंध बनाने से बचता रहा। शुरुआत में उसने एक-दूसरे को समझने का बहाना बनाया, लेकिन महीनों बाद भी व्यवहार नहीं बदला। शक होने पर पत्नी ने पति का मोबाइल देखा तो कई चौंकाने वाली चैट सामने आईं।

महिला के अनुसार पति लड़की बनकर 200 से अधिक युवकों से बातचीत करता था और उनसे संबंध रखने की बात सामने आई। पीड़िता ने जब इसकी शिकायत सास-ससुर से की तो उन्होंने दहेज में कार और पांच लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि रकम मिलने पर ही बेटे का इलाज कराने की बात कही गई। पीड़िता ने बताया कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई और कमरे में बंद कर दिया गया। पति पर दोस्तों के पास भेजने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। इसके बाद महिला अपने मायके लौट आई और पुलिस से शिकायत की।

मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का कहना है कि उसके जेवर और अन्य सामान अभी भी ससुराल वालों के कब्जे में हैं।

सैफई में खुलेगा नया सरकारी डेंटल कॉलेज जल्द

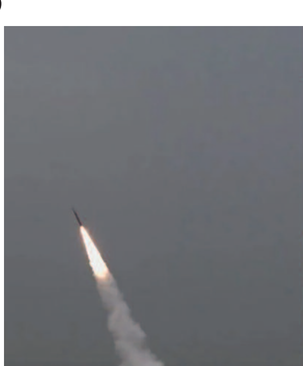

बीडीएस की पचास सीटों पर प्रवेश

आसपास जिलों के मरीजों को मिलेगा लाभ

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सैफई स्थित उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज में नया सरकारी डेंटल कॉलेज शुरू होने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने इसके लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसी शैक्षणिक सत्र से यहां बीडीएस की 50 सीटों पर दाखिला शुरू किया जाएगा, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 100 सीट करने की योजना है।

केजीएमयू के बाद यह प्रदेश का दूसरा सरकारी डेंटल कॉलेज होगा। अभी तक सरकारी स्तर पर डेंटल शिक्षा के सीमित विकल्प होने के कारण छात्रों को निजी संस्थानों पर निर्भर रहना पड़ता था। नए कॉलेज के शुरू होने से प्रदेश के छात्रों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के मानकों के तहत कॉलेज और अस्पताल दोनों विकसित किए जाएंगे। वर्तमान में विश्वविद्यालय में केवल पेरियोडोंटोलॉजी विषय में एमडीएस की पढ़ाई होती है, लेकिन नए डेंटल कॉलेज के बाद नौ अलग-अलग विषयों में एमडीएस पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी है।

इस संस्थान के शुरू होने से इटावा, मैनपुरी और आसपास के जिलों के मरीजों को बेहतर दंत चिकित्सा सुविधाएं मिल सकेंगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय कुमार ने कहा कि कॉलेज प्रदेश सरकार के तहत स्वतंत्र डेंटल संस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का आभार भी जताया।

केरल मंत्रिमंडल बंटवारे से बदली सत्ता की रणनीति

सतीशन ने अहम विभाग अपने पास चेन्निथला को मिला गृह मंत्रालय जिम्मा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल में नई यूडीएफ सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया है। विभागों के आवंटन से सरकार की राजनीतिक और प्रशासनिक प्राथमिकताएं साफ दिखाई देने लगी हैं। मुख्यमंत्री सतीशन ने वित्त, कानून, सामान्य प्रशासन और बंदरगाह सहित कुल 35 विभाग अपने पास रखे हैं। इससे यह संकेत मिला है कि सरकार के बड़े और महत्वपूर्ण फैसलों पर मुख्यमंत्री की सीधी निगरानी बनी रहेगी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला को गृह और सतर्कता जैसे अहम विभाग सौंपे गए हैं। इसके अलावा उन्हें तीन अन्य विभागों की जिम्मेदारी भी दी गई है।

राजनीतिक जानकार इसे सरकार में उनकी मजबूत भूमिका के रूप में देख रहे हैं। वहीं इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता पी. के. कुन्हालीकुट्टी को उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्टार्टअप, खनन और वस्त्र समेत सात विभागों का प्रभार मिला है। इससे स्पष्ट है कि सरकार रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास को प्राथमिकता देना चाहती है।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ को बिजली, पर्यावरण और संसदीय कार्य विभाग दिए गए हैं। वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन स्वास्थ्य, देवस्वम, खाद्य सुरक्षा और चिकित्सा शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विभाग संभालेंगे। इसके अलावा रोजी एम जॉन को उच्च शिक्षा, ए पी अनिल कुमार को भूमि एवं राजस्व और एन शम्सुद्दीन को सामान्य शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मंत्रिमंडल की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा कि यूडीएफ सरकार अपने धर्मनिरपेक्ष रुख पर कोई समझौता नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सांप्रदायिक राजनीति का कड़ा विरोध किया जाएगा। नई सरकार के इस संदेश को आने वाले समय की राजनीतिक दिशा से जोड़कर देखा जा रहा है।

मेलोडी वीडियो से अचानक दौड़ा पारले इंडस्ट्रीज का शेयर

नाम समानता ने निवेशकों को भटकाया

असली कारोबार जान सभी हुए हैरान

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इटली यात्रा के दौरान एक वीडियो ने सोशल मीडिया और शेयर बाजार दोनों में हलचल मचा दी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी द्वारा साझा किए गए वीडियो में पीएम मोदी उन्हें मशहूर मेलोडी टॉफी गिफ्ट करते नजर आए। वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा और इसका असर सीधे शेयर बाजार में दिखाई दिया।

वीडियो के वायरल होने के बाद कई निवेशकों ने जल्दबाजी में "पारले" नाम देखकर शेयर खरीदना शुरू कर दिया। इसका फायदा पारले इंडस्ट्रीज को मिला, जिसके शेयरों में अचानक तेज खरीदारी शुरू हो गई। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 5 प्रतिशत के अपर सर्किट के साथ 5.25 रुपये तक पहुंच गया। हालांकि यहां निवेशकों से बड़ी गलती हो गई।

दरअसल मेलोडी टॉफी बनाने वाली कंपनी पारले प्रोडक्ट्स है, जो पारले-जी, मोनाको, हाइड एंड सीक और मैंगो बाइट जैसे लोकप्रिय उत्पाद बनाती है। लेकिन यह कंपनी शेयर बाजार में सूचीबद्ध नहीं है। दूसरी ओर पारले इंडस्ट्रीज का टॉफी या बिस्कुट कारोबार से कोई संबंध नहीं है। सिर्फ नाम की समानता के कारण निवेशकों ने इसके शेयर खरीद लिए।

असल में पारले इंडस्ट्रीज रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और पेपर वेस्ट रीसाइक्लिंग के क्षेत्र में काम करती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह घटना बताती है कि सोशल मीडिया ट्रेंड या अधूरी जानकारी के आधार पर निवेश करना कितना जोखिम भरा हो सकता है। बिना पूरी जांच-पड़ताल के किया गया निवेश कई बार भारी नुकसान का कारण बन सकता है।

मोदी-मेलोनी ने की मजबूत रिश्तों पर चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली दौरे के दौरान कहा कि भारत और इटली के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। रोम में इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ संयुक्त प्रेस बयान में पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग और साझेदारी को नई दिशा मिलने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने भव्य स्वागत के लिए मेलोनी का आभार जताते हुए कहा कि रोम को दुनिया का "शाश्वत शहर" कहा जाता है, जबकि भारत में उनका संसदीय क्षेत्र काशी भी अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि जब दो प्राचीन सभ्यताएं मिलती हैं तो बातचीत केवल एजेंडे तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसमें इतिहास, भविष्य और मित्रता की झलक दिखाई देती है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग लगातार बढ़ रहा है। साथ ही भारत-इटली इनोवेशन सेंटर पर भी तेजी से काम चल रहा है। दोनों देशों ने व्यापार, तकनीक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर भी सहमति जताई।

रक्षा सहयोग बढ़ाने पर बनी सहमति

भारत इटली संबंधों को मिली नई गति

नीट पेपर लीक में बढ़ा सीबीआई का शिकंजा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच के दौरान महाराष्ट्र के लातूर स्थित एक बड़े कोचिंग नेटवर्क की भूमिका सामने आई है। जांच एजेंसी को शक है कि छात्रों से लाखों रुपये लेकर परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र और उत्तर उपलब्ध कराए गए थे। मामले में कोचिंग संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर का नाम प्रमुखता से सामने आया है, जिसकी कथित संपत्ति करीब 1500 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

सीबीआई के अनुसार यह नेटवर्क आर्थिक रूप से मजबूत परिवारों को निशाना बनाता था। छात्रों को विशेष बैच में शामिल कर परीक्षा से पहले 'वन-ऑन-वन मेंटरिंग' दी जाती थी। आरोप है कि इसी दौरान लीक हुए प्रश्न और उनके जवाब याद करवाए जाते थे। जांच एजेंसी को कुछ डिजिटल सबूत और वीडियो भी मिले हैं।

1500 करोड़ संपत्ति वाला नाम सामने, कोचिंग नेटवर्क पर जांच हुई तेज

जांच में यह भी खुलासा हुआ कि अलग-अलग राज्यों से जुड़े कई लोगों के माध्यम से पेपर छात्रों तक पहुंचाया गया। हाल ही में सीबीआई ने नागपुर में दो छात्रों के घरों पर छापेमारी कर मोबाइल, लैपटॉप और दस्तावेज जब्त किए हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी अधिकारियों के साथ बैठक कर दोबारा परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की है।

केजरीवाल और सिसोदिया खिलाफ याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि यह याचिका गलत सोच पर आधारित है और इसमें कोई ठोस कानूनी आधार नहीं है।

चुनाव लड़ने पर रोक नहीं लगी

अदालत ने याचिका आधारहीन बताई

याचिका में आरोप लगाया गया था कि शराब नीति मामले की सुनवाई के दौरान नेताओं ने अदालत की कार्यवाही का बहिष्कार किया और सोशल मीडिया पर न्यायाधीश के खिलाफ अभियान चलाया। साथ ही आम आदमी पार्टी का पंजीकरण रद्द करने की भी मांग की गई थी। हालांकि हाई कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि नेताओं का आचरण न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास को कमजोर कर सकता है। अदालत ने माना कि न्यायिक प्रक्रिया में असहमति के बावजूद कानूनी रास्ते उपलब्ध होते हैं, लेकिन इस आधार पर चुनाव लड़ने से रोकना उचित नहीं है। कोर्ट के फैसले के बाद आम आदमी पार्टी को बड़ी राहत मिली है।

दिल्ली समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी कहर

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में अगले तीन दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान सामान्य से 3 से 6 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रह सकता है।

उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड, पश्चिमी यूपी और पूर्वांचल के कई हिस्सों में तेज लू और उमस भरी गर्मी का असर दिखाई दे रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले सात दिनों तक प्रदेश के अधिकांश इलाकों में हीटवेव से लेकर गंभीर हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। खास बात यह है कि रात के समय भी तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं होगी, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है।

वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी हालात लगातार गंभीर बने हुए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राजधानी में येलो अलर्ट को बढ़ाकर ऑरेंज अलर्ट कर दिया है। अगले पांच दिनों तक दिल्ली का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक भीषण लू चल सकती है, जबकि उसके बाद भी गर्म हवाओं का असर जारी रहेगा।

तीन दिनों तक लू से सावधान

तापमान लगातार सामान्य से ऊपर दर्ज

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने, पर्याप्त पानी पीने और सिर ढककर बाहर निकलने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए प्रशासन भी अलर्ट मोड पर नजर आ रहा है।

सूर्यास्त्र परीक्षण से भारत की सैन्य ताकत और बढ़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता को बड़ी मजबूती देते हुए प्राइवेट डिफेंस कंपनी निबे लिमिटेड ने ओडिशा के चांदीपुर टेस्ट रेंज में 'सूर्यास्त्र' रॉकेट सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। इस अत्याधुनिक रॉकेट सिस्टम के 150 और 300 किलोमीटर रेंज वाले दो वेरिएंट का परीक्षण किया गया।

अधिकारियों के अनुसार दोनों रॉकेटों ने बेहद सटीक निशाना लगाया। 300 किलोमीटर तक मार करने वाला यह गाइडेड रॉकेट सिस्टम दुश्मन के कमांड सेंटर, रडार ठिकानों और लॉजिस्टिक्स हब को निशाना बनाने में सक्षम है। इसकी सटीकता का स्तर बेहद उन्नत बताया जा रहा है।

300 किलोमीटर दूर लक्ष्य होगा ध्वस्त

स्वदेशी रॉकेट सिस्टम ने दिखाई सटीकता

विशेषज्ञों का मानना है कि सूर्यास्त्र भारत की सैन्य रणनीति को नई ताकत देगा। लंबी दूरी तक सटीक हमला करने की क्षमता के कारण इसे दुश्मन की रक्षा व्यवस्था कमजोर करने वाला अहम हथियार माना जा रहा है।

जनगणना–सर्वे ने छीनी शिक्षकों की गर्मी की छुट्टियां

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। भीषण गर्मी और स्कूलों में घोषित ग्रीष्मकालीन अवकाश के बावजूद जिले के हजारों शिक्षकों को राहत मिलती नजर नहीं आ रही। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में भले ही बच्चों की छुट्टियां शुरू हो गई हों, लेकिन शिक्षकों को विभिन्न सरकारी ड्यूटी, सर्वे और प्रशासनिक कार्यों में लगाया जा रहा है। इससे शिक्षक संगठनों में नाराजगी बढ़ने लगी है।

जनगणना, सर्वे और प्रशासनिक कार्यों में जुटे रहेंगे शिक्षक

मथुरा में टीचर्स की छुट्टी 'कैंसिल मोड' में

45 डिग्री गर्मी में भी शिक्षकों को नहीं राहत

जिले में कई शिक्षकों को गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी विद्यालयों में उपस्थिति दर्ज कराने, विभागीय पोर्टल अपडेट करने, नामांकन सत्यापन, जनगणना तैयारियों, निर्वाचन संबंधी कार्यों और अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियों के लिए निर्देश दिए गए हैं। एक ओर कुछ शिक्षकों का कहना है कि मई भीषण गर्मी में जब तापमान 45 डिग्री केआसपास पहुंच रहा है, तब भी लगातार विभागीय आदेश जारी हो रहे हैं। कई शिक्षकों को ब्लॉक स्तर बैठकों, रिकॉर्ड सत्यापन और डाटा फीडिंग कार्यों में बुलाया जा रहा है।

कुछ शिक्षकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि छुट्टियों में भी रोजाना स्कूल या कार्यालय बुलाए जाने से पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। वही कुछ अभिभावकों का कहना है कि जब शिक्षक लगातार प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो नए सत्र की शैक्षणिक तैयारी भी प्रभावित होगी।

सूत्रों के अनुसार आगामी जनगणना और विभिन्न सरकारी योजनाओं के सत्यापन कार्यों की तैयारी भी शिक्षकों से कराई जा रही है। इसके अलावा ड्रॉपआउट बच्चों की सूची, आधार सत्यापन, छात्रवृत्ति रिकॉर्ड और नामांकन अभियान की तैयारियों में भी शिक्षकों की ड्यूटी लग सकती है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में ही दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। शासन की मंशा के अनुरूप जनगणना के महत्वपूर्ण कार्य को समय पर पूरा करना प्राथमिकता में है। यदि किसी शिक्षक की कोई व्यवहारिक समस्या है तो उसका यथासंभव उचित समाधान किया जाएगा।

व्यापार मंडल ने गोवर्धन में चलाई बुधवार को बाजार बंद की मुहिम

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों द्वारा बंद कराया गया बाजार।

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बा में बुधवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बाजार को बंद रखने की मुहिम चलाई । व्यापारियों से स्वेच्छा से सप्ताह में एक दिन बुधवार को दुकानें बंद रखने को कहा है। इसका असर कुछ हद तक देखने को भी मिला, लेकिन तमाम दुकानदारों ने दुकानें खोली। व्यापार मंडल के जिला महामंत्री फतेह सिंह ने बताया कि बाजार पहले से ही बुधवार को बंद रहता था, लेकिन इसके बाद भी काफी दुकानदार अपनी दुकानें खुली रखते है। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि सप्ताह में तो एक दिन दुकानें बंद रहनी चाहिए। सप्ताह में एक बार तो अपनी–अपनी समस्याओं पर बात करने को मौका मिलेगा।

भाजपा संगठन की बैठक में आगामी कार्य योजना पर मंथन

नव नियुक्त मंडल प्रभारियों के साथ आगामी रणनीति पर मंथन करते हुए जिलाध्यक्ष निर्भय पांडेय।

यूनिक समय,मथुरा। भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे के नेतृत्व में संगठनात्मक बैठक हुई। बैठक में आगामी कार्य योजना के संबंध में चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य द्वारा 15 मई को जारी जिले के 18 मंडलों के नव नियुक्त मंडल प्रभारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूती मिलेगी। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने कहा प्रदेश अध्यक्ष की सहमति के बाद क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा जारी सूची में सभी नवनियुक्त पदाधिकारी बने है। नव नियुक्त मंडल प्रभारी छाता विधानसभा-विक्रम सिंह,चौमुहां–मुदिता शर्मा, छाता–अमन ठाकुर, कोसी–मेरुकांत पांडे,नंदगांव–अजय जाटव और मांट विधानसभा सतपाल चौधरी, सोनई–मनीषा पाराशर,शेरगढ़–रणवीर सिंह,नौझील–ज्ञानेंद्र चौहान,बाजना–वीरेन्द्र गुर्जर,सुरीर–मुकेश वार्ष्णेय, बल्ल्देव विधानसभा अनौरा मानूप्रताप, राया–सुरेश तरकर,महावन–ओमप्रकाश सैनी, दीनदयाल धाम–श्याम चतुर्वेदी,बलदेव–जगमोहन पाठक, ओल–अनिल चौधरी,अकोस आकाश चौधरी आदि मौजूद रहे।

फर्जी कंपनी बना सोशल मीडिया पर बेच रहे थे मोबाइल

कोतवाली पुलिस ने दो साइबर ठगों को किया गिरफ्तार

यूनिक समय मथुरा। कोतवाली पुलिस ने साइब फ्राड के माध्यम से फर्जी बिल बनाकर मोबाइल बिक्री करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को अनुसार, युवराज बहादुर विासी नंदग्राम लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास थाना नंद ग्राम गाजियाबाद और संजीत निवासी मकान नंबर जे–6 आवास विकास योजना थाना नंदग्राम गजियाबाद साइबर फ्राड के माध्यम से लोगों को फर्जी मोबाइल कंपनी बनाकर लोगों को फर्जी मोबाइल बिल बनाकर ठगी करते थे। इस मामले में कोतवाली में एक मुकदमे में पुलिस को इनकी तलाश थी। पुलिस ने सूचना के आधार पर नंदग्राम निर्माणाधीन पाक के आगे मोर्डन इंटरनेशनल स्कूल के पास कच्ची सड़क गाजियाबाद से गिरफ्तार किया है।

खेत में अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी

यूनिक समय,छाता। ग्राम खायरा और आजनौख के बीच श्री रामादेवी स्कूल के पास एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। देखने से हत्या कर शव को फैंका जाना प्रतीत हो रहा है। बुधवार को राहगीरों ने सड़क किनारे खेत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है। युवक की आयु लगभग 28 वर्ष बताई जा रही है। शव कई दिन तक पड़ा रहने के कारण बुरी तरह से सड़ चुका था। युवक के शरीर से त्वचा अलग हो रही है। इसके साथ ही शव में कीड़े पड़ चुके है। दाहिने हाथ का पंजा भी गायब है। धूप के कारण शरीर का रंग काला पड़ गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मरने वाले के शव की शिनाख्त कराने के प्रयास कर रही है।

पुरुषोत्तम मास पर आयोजित हुई भजन संध्या

पुरुषोत्तम मास पर हुई भजन संध्या में मौजूद श्रद्धालु।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीअग्रबंधु सेवा मंडल मथुरा द्वारा पुरुषोत्तम मास के पर श्री राम मंदिर कनक भवन गऊघाट पर भजन संध्या और सीता रसोई का कार्यक्रम आयोजित किया। सुबह सीताराम का अभिषेक हुआ और सांय फूल बंगला और भजन संध्या का आयोजन हुआ। संस्थापक चिराग अग्रवाल ने कहा कि इस तरह के कार्यकमों से भक्ति और बढ़ती है। अध्यक्ष मयंक अग्रवाल ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सभी सदस्य अपने सनातन धर्म से जुड़े रहते है। इस मौके पर दीपक सिंघल,विजय वांटा,योगेन्द्र गोयल,पार्षद नीलम गोयल, विष्णुदास अग्रवाल, सोनू हाथी वाले, माधव गर्ग,रोहित अग्रवाल, सिद्धार्थ जैन, विनय अग्रवाल, रोहित महावन, बबीता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, मेघा अग्रवाल,अनुज अग्रवाल,हेमंत गोयल,संजय चतुर्वेदी शिशुभानु गर्ग आदि उपस्थित रहे।

पनघट में विराजमान होकर ठाकुर द्वारकाधीश ने भक्तों को दिए दर्शन

पनघट में विराजमान ठाकुर द्वारकाधीश जी महाराज।

यूनिक समय, मथुरा। श्री द्वारकाधीश मंदिर में अधिक मास उत्सवों में ठाकुर द्वारकाधीश जी महाराज पनघट में विराजमान हुए और भक्तों को दिव्य दर्शन दिए। मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार, कांकरोली नरेश- तृतीय पीठाधीश्वर ने किया है। निर्धारित कायक्रम के अनुसार प्रातः ग्वाल दर्शन के दौरान ठाकुर जी पनघट स्वरूप में विराजमान हुए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि ग्वाल दर्शनों में चीर हरण मनोरथ के दर्शन कराए गए। अधिक मास के पूरे माह में विशेष मनोरथों का आयोजन किया जाएगा।

केडी हॉस्पिटल में हुआ कैंसर का बड़ा ऑपरेशन

युवती के पैर से कैंसर की गांठ निकालने में लगे तीन घंटे

यूनिक समय, मथुरा। कस्बा राया की गुड्डी तीन महीने से चलने–फिरने में असमर्थ थी। आर्थिक रूप से कमजोर 31 साल की गुड्डी को केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में नई जिंदगी मिली है। विशेषज्ञ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा और उनकी टीम ने लगभग तीन घंटे के प्रयासों के बाद 17 मई को गुड्डी के दाएं पैर की कैंसर गांठ निकालने में सफलता हासिल की। सफल सर्जरी से गुड्डी को जहां दर्द से राहत मिली, वहीं उसके पैर को भी कटने से बचा लिया गया। गुड्डी ने बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए हॉस्पिटल प्रबंधन का आभार माना है। एक महीने से पैर में असहनीय दर्द होने के चलते पांच मई को गुड्डी को केडी हॉस्पिटल लाया गया। विशेषज्ञ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा ने मरीज की सबसे पहले बायोप्सी कराई, जिससे पुष्टि हुई कि गांठ कैंसर की है। परिजनों को बताया कि युवती के दाएं पैर के घुटने के नीचे काफी बड़ी कैंसर की गांठ है, जिसका ऑपरेशन किया जाना जरूरी है। परिजनों की स्वीकृति के बाद 17 मई को सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा द्वारा

विशेषज्ञ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा के साथ गुड्डी।

विशेषज्ञ सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा ने की सफल सर्जरी

चिकित्सा सुविधाओं के लिए माना हॉस्पिटल प्रबंधन का आभार

गुड्डी की सर्जरी की गई। लगभग तीन घंटे चली सर्जरी में डॉ. उमा शर्मा का सहयोग डॉ. वरुण सिंह सिसोदिया, डॉ. प्रभात, डॉ. सूरज और निश्चेतना विशेषज्ञ प्रतिमा ने किया। डॉ. उमा शर्मा ने बताया कि कैंसर पूरी तरह से निकालना और पैर को बचाना चुनौतीपूर्ण था। पैर में होने वाले कैंसर (सॉफ्ट टिशू सार्कोमा) को जड़ से खत्म करने के लिए ऑपरेशन के बाद कीमोथेरेपी या रेडिएशन थेरेपी का भी सहारा लिया जाता है। डॉ. उमा शर्मा ने कहा कि पैर में दर्द रहित या बढ़ती हुई गांठ को सामान्य न समझें। यदि ऐसी परेशानी दिख रही है तो बिना विलम्ब किए ऑर्थो–ऑन्कोलॉजिस्ट या कैंसर विशेषज्ञ को जरूर दिखा लेना चाहिए। गुड्डी से बात करने पर पता चला कि शुरुआत में उसके पैर के ऊपरी हिस्से के पिछले हिस्से में धीरे–धीरे सूजन आ रही थी। शुरुआत में तो उसने इस पर ध्यान नहीं दिया, अपने घर वालों को भी नहीं बताया, लेकिन सूजन बढ़ती गई, दर्द शुरू हो गया तथा चलने–फिरने में जब असमर्थ हो गई तब घर वालों को उसकी बीमारी के बारे में पता चला और उसे केडी हॉस्पिटल लाया गया। केडी हॉस्पिटल प्रबंधन ने बहुत कम पैसे में चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराकर नई जिंदगी दी है। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, विभागाध्यक्ष सर्जरी डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने गुड्डी की सफल सर्जरी के लिए सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा तथा उनकी टीम को बधाई देते हुए मरीज के स्वस्थ–सुखद जीवन की कामना की है।

दहेज हत्या में एक युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने दहेज हत्या में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांव भुंडान में एक विवाहिता द्वारा संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाने के मामले में मृतका के पिता ने सात लोगों के खिलाफ थाना मगोर्रा में दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में जितेंद्र सिंह को सौंख- मथुरा रोड पर मल्हू को जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया है।